सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जसप्रीत बुमराह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूर पेज: 7

साल 2026 का स्वागत बेहद भावुक अंदाज में भूमि पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 285 | शनिवार 24 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अमित शाह ने बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि प्रत्येक युवा को उनकी वीरता की गाथाओं के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। शाह ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि बोस का नाम हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाता है। उन्होंने कहा कि बोस ने युवाओं को संगठित किया और आजाद हिंद फौज के माध्यम से पहला सैन्य अभियान शुरू किया तथा 1943 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तिरंगा फहराकर एक स्वतंत्र भारत की घोषणा की। शाह ने कहा कि प्रत्येक युवा को नेताजी के जीवन और उनकी वीरता की कहानियों के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा, देश की आजादी के लिए

दक्षिण की पथरीली जमीन पर कमल खिलाने उतरे मोदी, केरल और तमिलनाडु में तेज हुआ सत्ता का संग्राम

नई दिल्ली एजेंसी: दक्षिण की पथरीली जमीन पर कमल खिलाने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल और तमिलनाडु का सघन दौरा कर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चुनावी अभियान का शंखनाद कर दिया। दोनों राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री का यह दौरा राजनीतिक संकेतों से भरा रहा जहां विकास परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास के साथ-साथ विपक्ष पर तीखे प्रहार भी किए गए। केरल में प्रधानमंत्री ने राजधानी तिरुवनंतपुरम में भव्य रोड शो से शुरूआत की। केरल में हालिया निकाय चुनावों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन और तिरुवनंतपुरम के मेयर पद पर काबिज होने की वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर गया

है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी ने रेल परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई और कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी। सार्वजनिक सभा में उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास और सुशासन के साथ केरल को नई दिशा दी जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में सत्तारुढ़ वाम मोर्चे पर निशाना साधते हुए शबरिमला में सोना गायब होने का मुद्दा तो उठाया ही साथ ही उन्होंने मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस के संबंधों को लेकर उस पर भी हमला बोला और आरोप लगाया कि वह राज्य में कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे रही है। रैली के दौरान एक बच्चे का प्रधानमंत्री का स्केच हाथ में उठाए लंबे समय तक खड़े रहना भी चर्चा का विषय बना। मंच से मोदी का मानवीय संवाद इस दौरे की सहज तस्वीर पेश करता दिखा। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री का रुख अधिक आक्रामक रहा। एनडीए की रैली में उन्होंने सत्तारुढ़ द्रविड मुनेत्र कझगम यानि द्रमुक पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार, महिला अपमान और तमिल संस्कृति को कमजोर करने के आरोप लगाए। मोदी ने कहा कि सत्ता की यह राह राज्य के मूल्यों और विकास को नुकसान पहुंचा रही है। इसके उलट एनडीए को उन्होंने ईमानदारी, महिला सम्मान और सांस्कृतिक गौरव पर आधारित विकल्प बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तमिलनाडु की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का विस्तार से उल्लेख किया। संगम साहित्य, प्राचीन वैज्ञानिक परंपराएं, भव्य मंदिर और आधुनिक तकनीकी योगदान को उन्होंने भारत की सभ्यता की रीढ़ बताया। चेन्नई के निकट चेंगलपट्टु और मदुरांतकम की सभाओं में उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य में तमिलनाडु की भूमिका निर्णायक होगी। केंद्र सरकार द्वारा पिछले ग्यारह वर्षों में राज्य के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की यूपीए सरकारों ने तमिलनाडु को अपेक्षित संसाधन नहीं दिए। मोदी ने पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के शासन की सराहना करते हुए कानून व्यवस्था को मजबूत करने का श्रेय दिया और वर्तमान दौर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। पोंगल के उत्सव और एमजी रामचंद्रन की जयंती का स्मरण कर उन्होंने स्थानीय भावनाओं से जुड़ने की कोशिश की। हर मंच से उनका संदेश साफ था कि तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है। हम आपको यह भी बता दें कि केरल में राजनीतिक समीकरणों को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री ने उद्योगपति साबु एम जैकब से मुलाकात की और उनके ट्वेंटी ट्वेंटी संगठन के एनडीए में शामिल होने का स्वागत किया। वर्कला में सिवगिरि मठ और श्री नारायण गुरु परंपरा से जुड़े संतों से भेंट कर उन्होंने सामाजिक समरसता और समानता के संदेश को भी रेखांकित किया।

भाजपा के बेहतर प्रदर्शन और तिरुवनंतपुरम के मेयर पद

केरल में प्रधानमंत्री ने राजधानी तिरुवनंतपुरम में भव्य रोड शो से शुरूआत की। केरल में हालिया निकाय चुनावों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन और तिरुवनंतपुरम के मेयर पद पर काबिज होने की वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर गया है।

पीएम मोदी की चुप्पी पर राहुल गांधी का सवाल- अमेरिकी टैरिफ से जा रही नौकरियां पर आखिर सरकार चुप क्यों है?

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ से भारत की "कमजोर अर्थव्यवस्था की असलियत सामने आ रही है, जिससे कपड़ा उद्योग बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने नौकरियों में कटौती, कारखानों के बंद होने और ऑर्डर में कमी की चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे वाशिंगटन के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करें जो भारतीय श्रमिकों और व्यवसायों की रक्षा करे। हरियाणा की एक कपड़ा फैक्ट्री के अपने हालिया दौरे का वीडियो साझा करते हुए गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ और नीतिगत अनिश्चितता से कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे भारत के सबसे

बड़े रोजगार सृजनकताओं में से एक संकट में फंस गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ और अनिश्चितता से भारत के कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है। नौकरियों का नुकसान, कारखानों का बंद होना और ऑर्डरों में कमी आना हमारी 'बेहाल अर्थव्यवस्था' की हकीकत बन चुकी है। मोदी ने न तो कोई राहत दी है और न ही टैरिफ के बारे में कोई बात की है, जबकि 45 करोड़ से अधिक नौकरियां और लाखों व्यवसाय खतरे में हैं। मोदी जी, आप जवाबदेह हैं; कृपया इस मामले पर ध्यान दें! गांधी ने तीखे शब्दों में मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपनी "कमजोरी" को अर्थव्यवस्था को और अधिक नुकसान पहुंचाने नहीं देना चाहिए, और सरकार से आग्रह किया कि वह अमेरिका के साथ एक ऐसे व्यापार समझौते को प्राथमिकता दे जो भारतीय हितों को सर्वोपरि रखे। भारत में वस्त्र उद्योग को दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र बताते हुए गांधी ने कहा कि शिल्प कौशल के लिए विश्व स्तर पर प्रशंसित यह उद्योग अब अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के साथ-साथ निर्यातकों को यूरोप में गिरती कीमतों और बांग्लादेश और चीन से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा का भी सामना करना पड़ रहा है। वीडियो में गांधी को कारखाने का दौरा करते, श्रमिकों और प्रबंधन से बातचीत करते और कपड़ा काटने का प्रयास करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने भारतीय श्रमिकों के कौशल और दृढ़ता को रेखांकित किया है।

कोई और बांध रहा था गमछा, शिवराज चौहान ने राहुल गांधी के मजदूर बनने पर कसा तंज

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम को लेकर "नाटक" करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस सांसद को इस कानून का नाम तक नहीं पता। चौहान ने ट्विटर पर राहुल गांधी के उस भाषण का एक वीडियो साझा किया, जो उन्होंने रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एमजीएनआरईजीए श्रमिक सम्मेलन में दिया था। इस वीडियो में राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें नए अधिनियम का नाम नहीं पता। कांग्रेस नेता पर कटाक्ष करते हुए चौहान ने लिखा कि संसद के दोनों सदनों में विधेयक

पर देर रात तक विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पूरा देश इस बहस को ध्यान से देख रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इन चचाओं के दौरान विपक्ष के नेता अनुपस्थित थे और राहुल गांधी की इस विधेयक से अनभिज्ञता के बावजूद कांग्रेस अब इस पर "नाटक" कर रही है। शिवराज चौहान की पोस्ट में लिखा था, "राहुल जी कितने ज्ञानी हैं! वीबी - श्री राम जी पर दोनों सदनों में देर रात तक घंटों चर्चा हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने हर पहलू पर गंभीर बहस की। पूरा देश देख और सुन रहा था। लेकिन उस समय विपक्ष के नेता विदेश दौरे पर व्यस्त थे। अब कांग्रेस इस अधिनियम पर संघर्ष का नाटक कर रही है, जबकि विपक्ष के नेता को खुद विधेयक का नाम तक नहीं पता। चौहान ने राहुल गांधी की हालिया सार्वजनिक उपस्थिति का मजाक उड़ाते हुए उन खबरों का हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने शारीरिक श्रम किया था। व्यंग्यात्मक टिप्पणी में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को गमछा बांधने और फावड़ा चलाने का तरीका सिखाया जा रहा था। उन्होंने कांग्रेस नेता की "तेज बुद्धि" पर भी कटाक्ष किया और दावा किया कि ऐसी बुद्धिमत्ता ही पार्टी के भविष्य के कल्याण को सुनिश्चित करेगी। मैंने सुना है

कि कल राहुल जी एक दिन के लिए दिहाड़ी मजदूर भी बन गए; कोई और उन्हें गमछा बांध रहा था और खरगे जी उन्हें फावड़ा उठाना भी सिखा रहे थे। धन्य हो आप, राहुल जी, और धन्य हो आपकी 'तेज बुद्धि'! आपकी इसी अद्भुत बुद्धिमत्ता के बल पर कांग्रेस का सर्वोपरि कल्याण सुनिश्चित है।

ममता बनर्जी का सनसनीखेज दावा, बंगाल में एसआ-ईआर के डर से रोज हो रही हैं 3-4 आत्महत्याएं

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य में चल रही मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर व्याप्त चिंता के कारण प्रतिदिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड स्थित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन मौतों की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की होनी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है; एसआईआर की चिंता के कारण प्रतिदिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में मतदाता सूची संशोधन एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। ममता ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, बोस और बी आर अंबेडकर जैसे देश के महान व्यक्तित्वों का अपमान किया जा रहा है। इस सप्ताह की शुरूआत में, उन्होंने दावा किया कि राज्य में एसआईआर अभ्यास को लेकर तनाव और दहशत के कारण अब तक कम से कम 110 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां 49वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईआर अभ्यास के कारण लोगों को झेलनी पड़ रही पीड़ा पर आधारित 26 कविताओं का संकलन उनकी 162वीं पुस्तक इसी मेले में प्रकाशित होगी।

बनर्जी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर शिविरों में सुनवाई के लिए बुजुर्गों समेत सैकड़ों लोगों को कतार में लगना पड़ता है और उन्हें प्रतिदिन पांच-छह घंटे खुले में इंतजार करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा, "तार्किक विसंगतियों का हवाला देते हुए वे (चुनाव आयोग) बंगालियों के उपनामों जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं, जो वर्षों से ज्ञात और स्वीकृत हैं।

मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा : अशोक गहलोत

नई दिल्ली एजेंसी: राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में ओएमआर शीट बदले जाने व प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। गहलोत ने इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार 2024 व 2025 की सभी परीक्षाओं की भी गंभीरता एवं गहराई से जांच करवाए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दोपहर में सिरोही में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया, वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री (गहलोत) के घर तक भी जा रही है। शर्मा ने सवाल किया कि इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की भूमिका क्या थी? इसके बाद गहलोत ने रात में एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो मुझे मिले फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। हम आपकी तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे। आपको ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए।

कर्तव्य पथ पर दिखेगी नया भारत की ताकत, ये रेजिमेंट पहली बार होंगी शामिल

नई दिल्ली एजेंसी: इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में 6,000 से अधिक सैन्यकर्मी भाग लेंगे, जिनमें भैरव बटालियन और शक्तिबान रेजिमेंट पहली बार शामिल होंगी। दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल नवराज ढिल्लों ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि दिल्ली क्षेत्र के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार चौथी बार परेड का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि भैरव बटालियन और शक्तिबान रेजिमेंट पहली बार परेड में भाग लेंगी, साथ ही लद्दाख स्काउट्स भी शामिल होंगे। पतंग, जांस्कर टट्टू और बैक्ट्रियन ऊंट भी पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का पूर्ण-नृत्य पूर्वाभ्यास किया गया। गणतंत्र दिवस की पूर्वाभ्यास के लिए मध्य दिल्ली की कुछ सड़कों को बंद कर दिया गया था। 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 77वें गणतंत्र

दिवस परेड में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) की 17 और मंत्रालयों, विभागों और सेवाओं की 13 सहित कुल 30 झांकियां कर्तव्य पथ पर निकलेंगी। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, गणतंत्र दिवस समारोह में 'स्वतंत्रता का मंत्रः वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्रः आत्मनिर्भर भारत' विषयों पर आधारित भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। ये झांकियां राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्षों के इतिहास और देश की समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विविधता में डूबी विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती आत्मनिर्भरता के बल पर हुई तीव्र प्रगति का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करेंगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) कर्तव्य पथ और भारत पर्व 2026 के अवसर पर गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किए गए अपने कुछ अभूतपूर्व आविष्कारों का प्रदर्शन करेगा। लंबी दूरी की शिप-रोधी हाइपरसोनिक मिसाइल (एलआर-एएसएचएम) के प्रदर्शन के अलावा, डीआरडीओ 'लड़ाकू पनडुब्बियों के लिए नौसेना प्रौद्योगिकी' नामक एक झांकी भी प्रस्तुत करेगा। इस वर्ष, भारतीय वायु सेना गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित सभी औपचारिक कार्यक्रमों के संचालन का नेतृत्व कर रही है।

सीएम धामी का विजन 2047 प्लान, विकसित उत्तराखंड' के लिए अधिकारियों को दिया ये बड़ा टारगेट

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सिविल सेवा संस्थान में आयोजित चिंतन शिविर और "विजन 2047 पर संवाद" में राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित किया। दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप, इस अभ्यास के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक ठोस, व्यावहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास से संबंधित सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट, व्यावहारिक और समयबद्ध रोडमैप निर्धारित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार हो सकता है जब देश का हर राज्य समान गति से विकास करे। इसके लिए उत्तराखंड को अपने संसाधनों, क्षमताओं और विशिष्ट शक्तियों के अनुरूप एक स्पष्ट और दीर्घकालिक विकास पथ निर्धारित करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का "विकसित भारत" का दृष्टिकोण किसी एक सरकार, एक कार्यकाल

या एक योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का एक व्यापक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण है। उन्होंने आगे कहा कि इस दृष्टिकोण की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव-केंद्रित, समावेशी और सतत है। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत का अर्थ है ऐसा भारत जहां प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों और शासन पारदर्शी, संवेदनशील और जन-केंद्रित हो। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नीति निर्माण से लेकर कार्यान्वयन और अंतिम सफलता तक, प्रशासन की प्रभावशीलता उसकी सक्रियता, संवेदनशीलता और दक्षता पर निर्भर करती है। इसलिए, इस दृष्टिकोण को साकार करने में प्रशासनिक तंत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को न केवल गति और पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नीति, निर्णय और योजना को लक्ष्य-उन्मुख और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे केवल आदेश जारी करने या बैठकें आयोजित करने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक जिम्मेदारी को नवाचार, पारदर्शिता, समयबद्धता और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ-साथ जवाबदेही के साथ पूरा करें।

दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप, इस अभ्यास के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक ठोस, व्यावहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास से संबंधित सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट, व्यावहारिक और समयबद्ध रोडमैप निर्धारित किया जा सके।

संपादकीय

दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है–जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन ह्यइंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026ह्ल आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्जरलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जब समाज बदलेगा, तभी निडर होंगी बालिकाएं

योगेश कुमार गोयल

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान...

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणामस्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरूआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है। भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दर्शाता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है। कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

ललित गर्ग

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निमार्ताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-'सा विद्या या विमुक्तये', अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-द्दष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी। औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आजादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से 'गुरु' की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में। तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है।

दुनिया के लिए प्रेरक बनता भारत का चुनावी तंत्र

स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है। इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन् 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है। जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की महत्ता को दुनिया हाल तक स्वीकार करने से हिचकती रही है। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक एवं चुनावी सहायता संस्थान की अगुआई भारत को मिलना मामूली बात नहीं है। अंग्रेजी में इस संस्थान को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस यानी आईडीईए के नाम से जाना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र की अहमियत वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो रही है।

वैश्विक लोकतांत्रिक परिदृश्य के लिहाज से भारत को मिली अगुआई ऐतिहासिक है। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है। जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को 'पश्चिमी मॉडल' के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है। माना जा रहा है कि आयोग से दुनियाभर के अधिकारी जानना चाहेंगे कि मतदाताओं की भारी संख्या के बावजूद आयोग उन तक कैसे पहुंचता है और चुनाव प्रणाली की पवित्रता कैसे बरकरार है।

चुनावी पवित्रता की नाभि-नाल पारंपरिक लोकतांत्रिक प्रणाली से जुड़ी है। प्राचीन भारत का बज्जि गणतंत्र आधुनिक प्रणाली से कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक और लोकोन्मुखी था। दक्षिण भारत के दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो व्यवस्था अपना रखी थी, उसे आधुनिक राजनीति विज्ञानी भी बेहतरीन प्रणाली मान रहे हैं। मैग्नाकार्टा के कुछ साल पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर ने जिस अनुभव मंडपम् की स्थापना की थी, उसमें समाज के हर वर्ग के लोग धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे और एक परिणति तक पहुंचते थे। राजनीति शास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रथम स्वरूप मानते हैं। आज हमारी चुनाव प्रणाली मजबूत है तो इसकी एक वजह हमारी यह परंपरा भी है।

वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक राष्ट्रों के समक्ष चुनौतियां बढ़ी हैं। जिनके लिए भारत का अनुभव प्रेरक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के लिए ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप, चुनावी धन में पारदर्शिता की कमी एवं युवाओं की घटती रुचि खतरा बन रही हैं। इसमें जनमत को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल ने कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। ऐसे माहौल में भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर चुनावी लिहाज से अपने सफल मॉडल आधारित अनुभव से लोकतांत्रिक राष्ट्रों की चुनाव प्रणाली के लिए प्रेरक हो सकता है।

भारत को इन देशों की अगुआई इस बात का भी प्रतीक है कि हमारे लोकतंत्र की ताकत सिर्फ चुनाव में नहीं, बल्कि हर वोट को मिली अहमियत से है। इसी वजह से विविधरंगी समाज, भाषा, धर्म और असमानता के बावजूद भारतीय चुनाव प्रणाली शांतिपूर्ण बनी हुई है। साफ है कि विशाल और बहुलवादी समाज भारतीय लोकतंत्र की बाधा नहीं, ताकत है। पश्चिमी और ग्लोबल साउथ देशों की लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों के मद्देनजर भारतीय चुनाव प्रबंधन कहीं ज्यादा उपलब्धि भरा है। अमेरिका और यूरोप में जहां मतदाता भागीदारी लगातार कम हो रही है, वहीं अविश्वास और आपसी सामाजिक टकराव जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। इसके बरक्स विविधता के बावजूद हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था समस्या समाधान का शांतिपूर्ण हथियार बनी हुई है। इसमें महिलाओं, दिव्यांगजनों और युवा मतदाताओं के साथ बढ़ी मतदाता भागीदारी ने लोकतांत्रिक जड़ों को गहरा ही किया है। आमजन की राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जारी विश्वास भी इसी का प्रतीक है। आज मौका मिलते ही सरकारें बदलने और दूसरी पार्टी को मौका मिलती है तो इसकी वजह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर बढ़ती जागरूकता और उसके प्रति अटूट भरोसा है। विविधरंगी, अलग सामाजिक पहचान, जाति, धर्म और भाषा, क्षेत्रीय भिन्नताएं अलग होने के बावजूद अगर भारत में पश्चिम की तरह टकराव नहीं है तो उसकी वजह लोकतांत्रिक और चुनाव प्रक्रिया में अटूट भरोसा ही है। साफ है कि विविध सामाजिक पहचान के साथ सामुदायिक संतुलन और सहअस्तित्व भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी बना हुआ है। इसके पीछे चुनाव आयोग की सोच भी है। आज चुनावी नवाचार में भारत अगुआ है। ईवीएम, वीवीपैट, महिलाओं एवं दिव्यांग संचालित एवं थीम आधारित मतदान केंद्र, पोस्टल बैलेट, सूचना एवं प्रोद्योगिकी आधारित मतदाता सेवाएँ और स्वीप जैसी जागरूकता पहल तेजी और व्यापक तरीके से लागू की जा रही हैं। इनके चलते भारत में लोकतंत्र का भविष्य पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक विस्तारित, स्थायीत्व और जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से वैश्विक विमर्श में 'भारतीय चुनाव मॉडल' प्रेरक बन चुका है। दुनिया में लोकतंत्र की दिशा तय करने वाले केंद्र बहुध्रुवीय होते गए हैं। लोकतंत्र का भविष्य उन्हीं देशों में सुरक्षित है, जो विपरीत हालात में भी नागरिक भागीदारी और विश्वास बनाए रखने में सफल हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और मॉरीशस जैसे देशों में यह प्रवृत्ति तेजी से विकसित हुई है। ऐसे में भारत की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उसकी अगुआई में आईडीईए सिर्फ विमर्श का मंच न रहकर, दुनिया में लोकतंत्र को अधिक सहभागी, अधिक समावेशी, अधिक तकनीक-सक्षम और अधिक मानवीय बनाने का मोर्चा बन सके।

आनंदमुनि सरस्वती शिशु मंदिर में वसंत पंचमी की धूम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के प्राकट्य उत्सव वसंत पंचमी के अवसर पर ढवारसी स्थित आनंदमुनि सरस्वती शिशु मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में छात्रों और शिक्षकों ने अत्यंत हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद त्यागी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के व्यवस्थापक तुलसीराम ने मुख्य अतिथि को पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमोद त्यागी ने कहा कि वसंत पंचमी का दिन हमें अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। समारोह के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की वंदना से हुई। जिसके बाद वसंत ऋतु के स्वागत में लोक गीतों और नृत्य की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने पीले वस्त्र धारण कर बसंत के आगमन का संदेश दिया। इस अवसर पर समाज सेवक सत्येंद्र त्यागी की ओर से एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार के कुशल निर्देशन में समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। समारोह का समापन माँ सरस्वती की आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर विजयपाल सैनी, जयसिंह भाटी, रविकांत त्यागी, सुरेश गर्ग, मनोज त्यागी, विजेंद्र सैनी, नरेश कुमार, गौतम सिंह, चरन सिंह, अमर सिंह और दीपांशु कश्यप आदि शामिल रहे।

अमरोहा में बदला मौसम का मिजाज,हल्की बूंदाबांदी से बढ़ी ठंड,जनजीवन प्रभावित

अमरोहा (सब का सपना):- अचानक बदले मौसम के मिजाज ने ठंड को और बढ़ा दिया है बीते कई दिनों तक निकली धूप ने लोगों को ठंड से राहत दिलाई लेकिन शुक्रवार को अचानक हुई बूंदाबांदी ने मौसम में ठिठुरन को बढ़ा दिया जिससे ठंड में इजाफा हुआ और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। बता दें कि अमरोहा में कई दिनों की धूप के बाद शुक्रवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से आसमान में काले बादल छाए रहे और शीतलहर चलती रही। दोपहर होते ही अचानक बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिससे ठंड में इजाफा हुआ और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया।सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छाए हुए थे, जिससे दिन में भी अंधेरा सा महसूस हो रहा था। इसके साथ ही ठंडी हवाएं चल रही थीं, जिसने मौसम को और सर्द बना दिया। दोपहर होते-होते यह स्थिति बूंदाबांदी में बदल गई।नेशनल हाईवे 9 पर बूंदाबांदी के कारण वाहनों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। अचानक हुई इस बारिश और शीतलहर ने ठंड को और बढ़ा दिया, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।पिछले चार दिनों से अमरोहा में धूप खिल रही थी, लेकिन शुक्रवार को मौसम ने पूरी तरह करवट बदल ली। मौसम विभाग के अनुसार, अचानक बदले इस मौसम के कारण अगले दिनों में ठंड और बढ़ने की आशंका है। साथ ही, घने कोहरे की भी संभावना जताई गई है।ठंड के बीच हुई इस बूंदाबांदी के कारण लोग अपने घरों में ही कैद रहे। केवल आवश्यक कामकाज वाले लोग ही बाहर निकले। कई इलाकों में कीचड़ फैल जाने से राहगीरों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गजरौला स्थित श्री राम मंदिर का 36 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- वसंत पंचमी के पर्व पर श्री राम मंदिर का 36 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। हवन-यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व शांति एवं खुशहाली की कामना की गई। भरतिया समूह द्वारा वसंत पंचमी के दिन ही 36 वर्ष पूर्व 1989 में हाईवे किनारे इस मंदिर की स्थापना कराई गई थी। बता दें कि शुक्रवार को नगर में हाईवे किनारे मोहल्ला नाईपुरा में स्थित श्री राम मंदिर में वसंत पंचमी एवं मंदिर की स्थापना दिवस पर विशेष पूजा की गई। जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने अपनी पत्नी रंजना झा एवं कंपनी के अधिकारियों के संग पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी पंडित मोहन मिश्रा एवं गोविंद पांडे ने पूजा संपन्न कराई। प्रभु श्री राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान की प्रतिमाओं को शॉल ओढ़ाए गए। दुग्धाभिषेक भी किया गया। इसके उपरांत भंडारा हुआ। इस मौके पर जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र कुमार बंसल जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित सोनाली फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष एवं जिला उपभोक्ता फोरम में जज अंजु दीक्षित, सुशीला बंसल अशोक राय सुनील ए सिंह आरए शर्मा पुनीत तिवारी रेनू तिवारी, कपिल जोशी, संतोष वर्मा, अनुराधा, सुनील तिवारी, एनके तोमर दिलीप पांडे, सुरक्षा प्रमुख वीरेंद्र सिंह नेगी, सुनील सक्सेना आदि मौजूद रहे।

जिले भर में आज उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने 24 से 26 जनवरी तक जिले भर में उत्तर प्रदेश दिवस को पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के निर्देश दिये। डीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य का स्थापना दिवस 24 जनवरी को वर्ष 2018 से निरन्तर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने त्रिदिवसीय (24-26 जनवरी) आयोजन में समस्त विभागों को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उत्तर प्रदेश दिवस आयोजन की मुख्य थीम विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत है। कलेक्ट्रेट में होने वाले जनपदस्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उ0प्र0 शासन/प्रभारी मंत्री जनपद अमरोहा के0पी0मलिक उपस्थित रहेंगे। डीएम ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस पर जिले में कलेक्ट्रेट में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक करने एवं लाभ पहुंचाने के लिए स्टाल लगाए जाएंगे। निवेश एवं रोजगार, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, कृषि, स्वास्थ्य, उद्यान, पशुपालन एवं अन्य विभागों के उत्पादों व योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। यूपी दिवस के अवसर पर तीन दिन तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी विशिष्ट सफल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हों। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, कृषि एवं विज्ञान विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हस्तशिल्पियों, किसानों, उद्यमियों, चिकित्सकों आदि का चयन करते हुए उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के अवसर पर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के विजेताओं, माटी कला बोर्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, चिकित्सकों, प्रगतिशील किसानों व वैज्ञानिकों का भी सम्मान किया जाए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा एक जनपद-एक उत्पाद (ओ०डी० ओ०पी०) के अन्तर्गत जनपद के शिल्पकारों के उत्पादों की प्रदर्शनियों का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों, कवियों, साहित्यकारों आदि को मंच प्रदान कर उन्हे प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदर्शिनियां, संगोष्ठियां, वीर रस की कविताओं का पाठ सम्मेलन, सांस्कृति कार्यकम, प्रतियोगिताए, जिसमें उत्तर प्रदेश की प्रगति, नवाचार, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृति चेतना का प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

ए.आर.टी.ओ की नई पहल ग्राम प्रधानों को किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने बताया कि अक्सर ग्रामीण चालक यातायात नियमों की जानकारी न होने का हवाला देते हैं। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने नई योजना बनाई है, जिसमें ग्राम प्रधानों को पहले जागरूक किया जाए और फिर उन्हें अपने गांव वासियों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाए। इस योजना में जिला पंचायती राज विभाग को भी स्टेकहोल्डर बनाया गया है।इसी क्रम में जिला पंचायती राज अधिकारी पारूल सिसौदिया के आदेश पर अमरोहा और जोया ब्लॉक के ग्राम प्रधानों की अमरोहा ब्लॉक सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई। समाजसेवी अनिल जग्गा ने प्रधानों से कहा कि गांव के विकास के साथ-साथ लोगों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाना भी पुण्य का कार्य है। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने जोर दिया कि प्रधान चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं, इसलिए यदि वे हेल्मेट, सीट बेल्ट का उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने और शराब पीकर ड्राइविंग न करने के लिए प्रेरित करेंगे, तो ग्रामीण अवश्य मानेंगे।कार्यशाला के बाद हाईवे पर अवैध पार्किंग करने वाले 35 वाहनों का चालान काटा गया। कार्यक्रम में पीटीओ सुधीर सिंह सहित अन्य ब्लॉक अधिकारी मौजूद रहे। यह अभियान अब जिले के सभी ब्लॉकों में चलाया जाएगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

जिले में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं के लिए बेहतर इंतजाम

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संचालित आठ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन रहे हैं। इन विद्यालयों में लगभग 1200 बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन तथा दैनिक उपयोग की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।शासन द्वारा 2025-26 सत्र में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक केजीबीवी में ऑप्स सिस्टम सहित तीन-तीन स्मार्ट बोर्ड स्थापित किए गए हैं। बालिकाएं खान अकादमी के माध्यम से गणित, आईआईटी गांधीनगर के विशेषज्ञों द्वारा विज्ञान की ऑनलाइन पढ़ाई, कंप्यूटर लैब (निर्माण अंतिम चरण में) तथा स्मार्ट टीवी से योगा क्लास ले रही हैं। सुसज्जित पुस्तकालय, 24 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण, जूडो-कराटे, ओपन जिम, वॉशिंग मशीन, रोटी मेकिंग मशीन, सेनेटरी पैड मशीन, इन्वर्टर, जनरेटर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। खेलकूद सामग्री, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, जूते, मोजे, स्वेटर, अंडरगारमेंट्स आदि भी प्रदान किए जाते हैं।धनौरा एवं अमरोहा के दो विद्यालय विशेष खेल हेतु चयनित हैं। कक्षा 9 से 12 तक चार विद्यालयों में 400 बालिकाओं के लिए हॉस्टल संचालित हैं।इन सुविधाओं से लाभान्वित होकर कई पूर्व छात्राएं समाज में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही हैं। गंगेश्वरी की निशा मौर्य उप जिलाधिकारी बनीं। धनौरा की शशि कुमारी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, नीतू रेलवे पुलिस, मालती, मीनाक्षी, अंजलि, आरती, सृष्टि उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत हैं। भारती सोमेश पंचायती राज विभाग में पंचायत सहायक हैं। अरमान ने निजी स्वास्थ्य केंद्र शुरू किया।

जोया की शीतल दिल्ली पुलिस में आरक्षी हैं। हसनपुर ग्रामीण की अंशु, पूजा, ज्योति, अदिति, पाल, नीतू, गुलिस्ता अध्यापिका बनीं। सोनम, मोनिका स्वास्थ्य विभाग में एएनएम हैं।ये सफलताएं केजीबीवी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास की मिसाल हैं, जो बेटियों को सशक्त बनाकर समाज को मजबूत कर रही हैं।

ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मंगरौली में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामीण उद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रियाकलापों तथा कार्यरत उद्योग को उत्पादन विकास गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीकी की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड अमरोहा द्वारा विपणन विकास सहायता योजना के अंतर्गत छतर सिंह सर्वेश देवी इंटर कॉलेज मंगरौली में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान इस मुख्य अतिथि भाजपा विधायक महेंद्र खड्गवंशी सदस्य प्राक्कला समिति मौजूद रहे। इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह खड़कवंशी सदस्य प्राक्कला समिति उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रतिभागियों से विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार सृजन करने हेतु प्रेरित किया गया उन्होंने प्रतिभागियों से कहा है कि आज सरकार आपके द्वार पर है आपके सहयोग हेतु में हर समय तत्पर हूं। निश्चित होकर योजनाओं का लाभ उठाएं साथ ही उनके द्वारा सरकार की अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं स्थानीय विकास संबंधित योजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह द्वारा नवयुवक युवतियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं मुख्यमंत्री ग्रामीण उद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना, प्रशिक्षण एवं माटी कला उद्योग आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रों पंजीकरण प्रमाण पत्रों प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने एवं विपणन संबंधित जानकारी प्रदान की गई। योगेश कुमार निर्देशक वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श केंद्र प्रतिनिधि अग्रिम जिला प्रबंधक केनरा बैंक अमरोहा द्वारा प्रतिभागियों का संयोजन में श्री कृष्ण गोपाल प्रोजेक्ट मैनेजर स्पर्श फाउंडेशन एवं स्वाधीन कुमार वरिष्ठ सहायक तथा महत्वपूर्ण योगदान दिया कृष्ण गोपाल द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संचालन भी किया कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी लगभग 60 महिलाओं सहित लगभग 95 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभा किया गया।

मंडी धनौरा-अमरोहा रोड पर पड़ी मैली पर फिसले कई बाईक सवार, बारिश में खतरनाक हुई सड़क

धनौरा स्थित शुगर मिल से निकली मैली से सड़क पर हुई फिसलन,कई बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के अमरोहा मार्ग पर पड़ी शुगर मिल की मैली पर कई बाइक सवार फिसल कर गिर पड़े और घायल हो गए धनौरा अमरोहा रोड पर ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुक्रवार को सुबह से ही हल्की-हल्की बंदे पड़ रही थी उधर धनोरा स्थित शुगर मिल की मैली सड़क पर पड़ी थी हल्की बूंदाबांदी के कारण मैली और बारिश के पानी से सड़क इतनी चिकनी हो गई कि वहां पर कई बाइक सवार फिसल कर घायल हो गए। जिससे घंटे तक मार्ग पर अपना तरीका माहौल बन गया। बता दें कि धनौरा-अमरोहा मार्ग पर शुक्रवार सुबह हल्की बूंदाबांदी और शुगर फैक्ट्री से गिरी 'मैली' के मिश्रण से सड़क खतरनाक रूप से फिसलन भरी हो गई। ब्लू बड्र्स स्कूल के सामने हुए इस घटनाक्रम में कई बाइक सवार फिसलकर घायल हो गए, जिससे घंटों तक मार्ग में अफरा-तफरी का माहौल रहा।बारिश के कारण सड़क पर फैली मैली ने चिकनाई का काम किया, जिससे वाहनों पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो गया। अमरोहा और धनौरा, दोनों दिशाओं से आ रहे बाइक सवार जैसे ही इस स्थान पर पहुंचे, उनकी बाइकें अनियंत्रित होकर फिसलने लगीं। कई लोग सड़क पर दूर तक घिसटते चले गए।इन हादसों में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए भेजा गया। दुर्घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें बाइक सवारों को गिरते हुए देखा जा सकता है।घटना की सूचना मिलते ही बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सड़क पर जमी मैली को साफ करवाने का कार्य शुरू कराया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की राहगीरों ने सराहना की।मौके पर मौजूद राहगीर निर्दोष सैनी ने बताया कि शुगर फैक्ट्री की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से गिरने वाली मैली सड़क पर फैली हुई थी। बारिश की बूंदें पड़ते ही यह सड़क 'डेथ ट्रैप' में बदल गई। उन्होंने थाना प्रभारी कुलदीप तोमर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समय रहते सफाई न कराई जाती, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।क्षेत्रीय नागरिकों ने शुगर फैक्ट्री प्रबंधन से मांग की है कि मैली का परिवहन करते समय सावधानी बरती जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

रिश्वत मांगने की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री ने जे.ई. को किया निलंबित, लाइनमैन की सेवा समाप्त

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- रिश्वत मांगने की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने त्वरित कार्यवाही करते हुए जे ई को निलंबित करते हुए एक लाइनमैन की सेवा समाप्त की है। ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा द्वारा इस कार्यवाही को लखनऊ में जनसुनवाई के दौरान रिश्वत मांगने की शिकायत के सामने आने के बाद किया गया। बता दें कि नौगांवा सादात निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा द्वारा जे ई और लाइनमैन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की गई।इस कार्रवाई के तहत, एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई है, जबकि एक जूनियर इंजीनियर (जेई) को निलंबित किया गया है। इसके अतिरिक्त, संबंधित एसडीओ (उपखंड अधिकारी) और अधिशासी अभियंता (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है।मंत्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार और जनता को परेशान करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए विभाग में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि घूसखोरी पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।ऊर्जा मंत्री के निर्देशों के बाद, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम ने बिना किसी देरी के दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की।

पुलिस की कामयाबी गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर स्वामियों को सौंपे

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी (आईपीएस) के नेतृत्व में सम्भल पुलिस ने आम जनमानस के गुमशुदा एवं खोए हुए विभिन्न कंपनियों के कुल 509 मोबाइल फोन बरामद कर मोबाइल स्वामियों के सुपुर्द किए हैं। बरामद किए गए मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 07 लाख रुपये बताई गई है। जनपद सम्भल में खोए अथवा गुम हुए मोबाइल फोनों के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर थाना, जनपदीय साइबर सेल एवं थाना साइबर सेल को शीघ्र

बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया था। इसके क्रम में जनपदीय साइबर सेल/थाना साइबर सेल द्वारा दूरसंचार विभाग के सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से विशेष अभियान चलाया गया। अथक प्रयास और तकनीकी जांच के माध्यम से जनपद सम्भल, गैर जनपद एवं अन्य राज्यों से कुल 509 मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल द्वारा विधिवत मोबाइल स्वामियों को सौंपे गए, जिससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और संतोष का भाव देखने को मिला। इस अवसर पर जनपदीय साइबर सेल ने आम नागरिकों से अपील की कि यदि किसी का मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाए, तो तुरंत अपने सिम

कार्ड को ब्लॉक कराएं और अपने बैंक से संपर्क कर खातों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। साथ ही सीईआईआर पोर्टल एवं संचारसाथी एप्लिकेशन के माध्यम से मोबाइल की आईएमईआई ब्लॉकिंग अवश्य कराएं, जिससे मोबाइल की शीघ्र बरामदगी संभव हो सके। साइबर सेल ने यह भी बताया कि संचारसाथी एप्लिकेशन में आईएमईआई ब्लॉकिंग के साथ-साथ संदिग्ध व धोखाधड़ी वाले कॉल एवं संदेशों की शिकायत, अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी तथा मोबाइल की वास्तविकता जांचने जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह एप्लिकेशन गूगल प्ले स्टोर एवं एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है।

अमरोहा में राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव राजभर की मनाई गई 1017वीं जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सुभासपाइयों द्वारा महाराजा सुहेलदेव राजभर जी की 1017वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर जी का जीवन अन्याय अत्याचार और गुलामी के विरुद्ध संघर्ष की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से न केवल मातृभूमि की रक्षा की बल्कि समाज को स्वाभिमान एकता और आत्मसम्मान के सूत्र में बांधने का कार्य किया। सत्यपाल तोमर ने कहा कि आज के समय में जब सामाजिक विषमता और अन्याय के रूप अलग-अलग रूपों में सामने आ रहे हैं तब महाराजा सुहेलदेव राजभर के विचार और संघर्ष और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश

बलराज सिंह प्रजापति ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे शोषित-वंचित समाज की चेतना और संघर्ष की प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव राजभर ने यह सिद्ध किया कि जब समाज अपने हक और सम्मान के लिए एकजुट होता है तो कोई भी अत्याचारी शक्ति टिक नहीं सकती। बलराज सिंह ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे महाराजा सुहेलदेव राजभर के आदर्शों को गांव-गांव तक पहुंचाकर सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई को मजबूत करें। इस दौरान आदेश अमरोही, सुरेन्द्र सिंह प्रधान, मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान, मोहम्मद शफी, सुमित चौधरी, सोमपाल सिंह सैनी, रमेश चौहान, आकाश कश्यप, मतलूब अहमद अंसारी, डॉ. जगत सिंह गुर्जर, जुबैर अहमद, विजेंदर सिंह जाटव, विनीत कुमार, पवन कुमार प्रजापति, कपिल कुमार, जितेन्द्र मौर्य, सचिन, अंकित कुमार आदि मौजूद रहे।

5यूपी-112 पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आठ मिनट में चोरी हुई ई-रिक्शा बरामद

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस पीआरवी की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी चोरी की घटना का खुलासा हो गया। थाना रजपुरा में संचालित यूपी-112 पुलिस पीआरवी को सूचना प्राप्त हुई, जिसमें कॉलर अनवर निवासी सिघौली कल्लू, थाना रजपुरा ने बताया कि अज्ञात चोर उनके घर के सामने खड़ी ई-रिक्शा चोरी कर ले गए हैं और उन्हें पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही यूपी-112 पीआरवी के पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मात्र 08 मिनट में घटनास्थल पर पहुंचकर कॉलर से घटना की विस्तृत जानकारी ली।

इसके बाद पीआरवी कर्मियों ने संबंधित थाना रजपुरा एवं कंट्रोल रूम को अवगत कराते हुए, आसपास के लोगों और कॉलर को साथ लेकर चोरी हुई ई-रिक्शा की तलाश हेतु जंगल क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। अथक प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने गन्ने के खेत में छुपाकर रखी गई चोरी की ई-रिक्शा को बरामद कर लिया। बरामद ई-रिक्शा को थाना रजपुरा को सूचित करते हुए पीआरवी कर्मियों ने अपनी हिरासत में लेकर विधिवत कॉलर अनवर को सुपुर्द कर दिया। यूपी-112 पुलिस के इस सराहनीय कार्य से उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि और अधिक सशक्त हुई है। स्थानीय जनता ने पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की, वहीं पीड़ित कॉलर ने यूपी-112 टीम का कोटि-कोटि धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) एवं नोडल अधिकारी यूपी-112 जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन बहजोई संतोष कुमार के कुशल निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में यूपी-112 पीआरवी के पुलिसकर्मियों द्वारा यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की गई।

फर्जी बीमा पॉलिसी कराने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जुनावई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के नेतृत्व में जनपद सम्भल में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जुनावई पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। थाना जुनावई पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे फर्जी बीमा पॉलिसी कराने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्य हरिओम पुत्र सत्यराम को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त हरिओम ने स्वीकार किया कि वह बबराला सम्भल को केंद्र बनाकर सक्रिय फर्जी बीमा गिरोह का सदस्य

है। उसने बताया कि वह सूरजपाल (जो पूर्व में इस मामले में जेल भेजा जा चुका है) के साथ कार्य करता था और दोनों मिलकर सचिन शर्मा पुत्र गणेशीलाल निवासी फरीदपुर के साथ जुड़कर इस गिरोह को संचालित कर रहे थे। गिरोह के सदस्य सुनियोजित तरीके से गरीब एवं असहाय लोगों को माध्यम बनाकर फर्जी जीवन बीमा पॉलिसियां कराते थे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, पीएनबी मेटलाइफ, बजाज एलायंज, एसबीआई जीवन बीमा सहित विभिन्न बीमा कंपनियों को करोड़ों की आर्थिक क्षति पहुंचाने का काम किया गया। अभियुक्तों द्वारा गंभीर रूप से बीमार अथवा मरणासन्न व्यक्तियों को स्वस्थ दिखाकर उनके नाम पर फर्जी जीवन बीमा पॉलिसियां कराई जाती थीं। प्रीमियम की राशि गिरोह स्वयं जमा करता था और व्यक्ति की मृत्यु के बाद बीमा क्लेम की रकम आपस में बांट ली जाती थी। इसके अलावा मृत व्यक्तियों के नाम पर बैक डेट में फर्जी पॉलिसी कराकर भी बीमा क्लेम की रकम हड़पी जाती थी। पुलिस के अनुसार, नॉमिनी के नाम पर खुलवाए गए बैंक खातों का संचालन गिरोह के सदस्य स्वयं करते थे।

खातों के डेबिट कार्ड और मोबाइल नंबर उनके ही पास रहते थे। बीमा की राशि खाते में आने पर नाममात्र की रकम परिजनों को देकर शेष धनराशि आपस में बांट ली जाती थी, जबकि कई मामलों में परिवार को कुछ भी नहीं दिया जाता था। थाना जुनावई पुलिस द्वारा गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इस तरह के अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रेमराज कान्वेंट स्कूल में बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन सम्पन्न

बहजोई/संभल(सब का सपना):- क्षेत्र के बाबूराम सिंह प्रेमराज कान्वेंट स्कूल, बहरौली तहारपुर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती का विधिवत हवन-पूजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर वैदिक मंत्रोच्चारण और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।
इस अवसर पर मां सरस्वती से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु विद्या, बुद्धि, विवेक और सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को बसंत पंचमी पर्व के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह पर्व विद्यार्थियों में ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। हवन-पूजन कार्यक्रम में विद्यालय के आदरणीय प्रबंधक चन्द्रभान सिंह अपनी धर्मपत्नी सहित, कोषाध्यक्ष जसवीर सिंह अपनी धर्मपत्नी सहित, प्रधानाचार्य ब्रह्मपाल सिंह, मुख्य अतिथि वेदप्रकाश शर्मा, विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने मां सरस्वती से शिक्षा और संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने की कामना की।

नंदिनी कुशवाहा ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किया कमाल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति, हमारी पहचान के अंतर्गत भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ में गुरुवार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी मंडलों के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुरादाबाद मंडल जनपद संभल की कु. नंदिनी कुशवाहा ने एकल नृत्य में अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा समूह लोक

नृत्य में उड़ान आर्टिस्ट ग्रुप और गायन में कु. शिवानी दीक्षित को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर भारतेंदु खंड विश्वविद्यालय, लखनऊ के निर्णायकताओं ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की और कलाकारों की प्रतिभा की तारीफ की। कार्यक्रम में लोक कला के क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण की भावना दिखाई दी।
संस्कार भारती की लोक कला संयोजक (मेरठ प्रांत) ममता राजपूत ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता ने प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच प्रदान किया और राज्य की लोक कला की विविधता को उजागर किया। कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने बेहतरीन प्रस्तुति दी और प्रतियोगिता में शामिल दर्शकों ने उनका उत्साहवर्धन किया।

राजकीय पशु चिकित्सालय पर निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जीव जंतु कल्याण दिवस के अवसर पर राजकीय पशु चिकित्सालय सदर अमरोहा पर निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर एवं रेबीज बीमारी का टीकाकरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अपर निदेशक ग्रेड 2 डॉक्टर जगदीश प्रसाद एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा पशुपालक विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों योजनाओं तथा कृत्रिम गर्भाधान टीकाकरण चिकित्सा आदि में सराहनीय कार्य करने वाले पशु चिकित्सकों पशुधन प्रसार अधिकारीयों पशु मैत्रीयो एवं वैक्सीनेटर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान शिविर में 25 कुत्ते एवं बिल्लियों का निशुल्क देवकरण किया गया एवं 35 विभिन्न प्रजातियों के पशुओं का निशुल्क उपचार किया गया मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त द्वारा रेबीज

बीमारी एवं टीकाकरण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया गया तथा पशुपालकों से अपने पशुओं के कानों में छल्ला लगवा कर टीकाकरण करने एवं उसका पंजीकरण भारत पशुधन ऐप पर पंजीकरण कराने की अपील की गई।
डॉक्टर जगदीश प्रसाद अपर निदेशक पशुपालन विभाग मुरादाबाद मंडल द्वारा जीव जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने पर बोल दिया। तथा गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के उचित रखरखाव एवं खंड विकास अधिकारी नीरज गर्ग के कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर डॉक्टर निलय कुमार उपमुख्यमंत्री पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर विजेंद्र सिंह पशु चिकित्सा अधिकारी नन्हेड़ा आल्यारपुर एवं प्रतीक बांगा पशुधन प्रसार अधिकारी उपस्थित रहे।

चावल से भरा ट्रक गायब करने वाले गिरोह पर बहजोई पुलिस की कार्रवाई

दो आरोपी पहले भेजे जा चुके हैं जेल,नकदी समेत तीसरा भी गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पीड़ित व्यापारी लौकेश निवासी बहजोई की तहरीर पर दर्ज मुकदमे की गहन जांच के दौरान बहजोई पुलिस एवं एसओजी टीम ने चावल से भरा ट्रक गायब कर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सर्विलांस और टोल प्लाजा व अन्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर पहले ट्रक चालक रिहान एवं ट्रक मालिक कामिल को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चावल बेचकर प्राप्त 10 लाख 30 हजार रुपये नकद बरामद कर दोनों अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने इस संगठित धोखाधड़ी में शामिल तीसरे आरोपी कादिर पुत्र अब्बास का नाम उजागर किया था। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई

करते हुए शुक्रवार को ढोढाई रोड जाने वाले लिंक रोड से कादिर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चावल व ट्रक बेचकर प्राप्त कुल 1 लाख 98 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त आर्थिक तंगी और पारिवारिक जरूरतों के चलते साजिश रचकर ट्रांसपोर्टरों का विश्वास जीतते थे। इसके बाद चावल से भरे ट्रक को निर्धारित गंतव्य तक न पहुंचाकर स्वयं व्यापारी बनकर अन्यत्र माल बेच देते थे और रकम आपस में बांट लेते थे। पुलिस की त्वरित, तकनीकी और सटीक कार्रवाई से न केवल इस गिरोह का पदार्फाश हुआ है, बल्कि क्षेत्र के व्यापारियों में भी सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गढ़मुक्तेश्वर में गढ़ गंगा विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर जनआंदोलन तेज

उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजी गई जनमांग

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़(सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र में गढ़ गंगा विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर जनमांग लगातार मजबूत होती जा रही है। शौर्य शक्ति फाउंडेशन, गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा द्वारा इस मांग को लेकर उपजिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तक जनभावनाओं को पहुँचाने और शीघ्र कार्यवाही की मांग की गई। शौर्य शक्ति फाउंडेशन ने बताया कि बीते दो वर्षों से गढ़ गंगा विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान 50 से अधिक बैठकें, कार्यक्रम और जनसंपर्क अभियान आयोजित किए गए, जिनमें विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का व्यापक समर्थन मिला। फाउंडेशन के अनुसार, कई बड़े जनसमर्थन कार्यक्रमों में हजारों लोगों ने

विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग का समर्थन किया। ब्राह्मण महासम्मेलन में लगभग 1500 लोगों, शिक्षा सम्मेलन में 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं व शिक्षकों, युवा संसद में 500 से अधिक युवाओं तथा जिलास्तरीय महिला पंचायत संसद में लगभग 3000 महिलाओं ने खुलकर समर्थन व्यक्त किया। ज्ञापन में कहा गया कि गढ़ गंगा विश्वविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र का समग्र सामाजिक व आर्थिक विकास होगा। स्थानीय संगठनों, शिक्षाविदों और नागरिकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद इसे गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया है।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन सेवक के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रवक्ता, जिला अध्यक्ष नौफिल हसन, सुकत्तला, हरेंद्र, सोनम, बाबीता, अमित कुमार, प्रमोद कुमार, पूनम, प्रियंका, सपना, गुड्डी, राजरानी, अंकित भहाना सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और महिलाएं उपस्थित रहीं। फाउंडेशन ने प्रशासन से मांग की है कि इस जनआवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा जाए ताकि गढ़मुक्तेश्वर के लाखों युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बन सके।

अमरोहा
शनिवार 24 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

बिजनौर-दिल्ली

हिंदी दैनिक
सब का सपना 5

गैलेक्सी अपार्टमेंट में मॉक ड्रिल कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में महान स्वतंत्रता सेनानी, आजाद हिन्द फौज के संस्थापक एवं राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के जन्म दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त निदेर्शों के क्रम में शुक्रवार को सायं 06:00 बजे जनपद अमरोहा के गैलेक्सी अपार्टमेंट, जोया रोड स्थित आवासीय परिसर में ब्लैक आउट कार्यक्रम सहित अग्निकांड विषय पर मॉक ड्रिल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य संभावित आपदाओं–विशेषकर हवाई हमले एवं अग्निकांड जैसी आपदाओं की स्थिति में विभिन्न विभागों की तत्काल प्रतिक्रिया, संसाधन प्रबंधन, विभागीय समन्वय एवं जन-सुरक्षा व्यवस्था का व्यावहारिक परीक्षण करना तथा आम नागरिकों को आपदा से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत शासन के निदेर्शानुसार निर्धारित समय पर क्षेत्र में पूर्ण ब्लैक आउट किया गया। इसके उपरांत बहुमंजिला आवासीय भवन में अग्निकांड की काल्पनिक स्थिति दशार्ते हुए मॉक ड्रिल प्रारंभ की गई। सूचना मिलते ही सभी संबंधित विभागों पुलिस, अग्निशमन , स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन , नागरिक सुरक्षा, नगर निकाय, बिजली , एन सी सी , एन एस एस, स्भारत काउट गाइड आदि अन्य संबंधित विभागों द्वारा आपसी समन्वय व सहयोग के माध्यम से निर्धारित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) के अनुसार कार्यवाही की गई। अग्निकांड की सूचना प्राप्त होते ही अग्निशमन विभाग की टीमें त्वरित गति से घटनास्थल पर पहुँचीं तथा आधुनिक अग्निशमन उपकरणों की सहायता से आग पर नियंत्रण पाया गया। ऊपरी मंज़िलों में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने हेतु रेस्क्यू तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। पुलिस विभाग द्वारा त्वरित रूप से क्षेत्र की घेराबंदी कर आमजन की आवाजाही को नियंत्रित किया गया, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया गया। मॉकड्रिल में सायं 06:00 बजे ब्लैक आउट होते ही 2 मिनट तक लगातार ऊँची-नीची आवाज में पूरे नगर में पुलिस विभाग द्वारा सायरन बजते ही बिजली आपूर्ति वाधित कर नगरवासियों को सचेत रहने हेतु चेतावनी दी गई तत्पश्चात कुछ ही समय पश्चात गैलेक्सी अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। मौके पर तत्काल स्थानीय पुलिस, अग्निशमन विभाग, आपदा प्रबंधन, टीम द्वारा घटना स्थल पर पहुँचकर आग बुझाने के साथ-साथ बिल्डिंग में फंसे लोगों को आपदा मित्र, नागरिक सुरक्षा व अग्निशमन सदस्यों द्वारा बाहर निकाला गया और उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा प्राथमिक उपचार देकर ऐम्बुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल भेजा गया। मॉक ड्रिल की समस्त कार्यवाही सुरक्षित पूर्ण करने के उपरान्त ऑल क्लियर करते हुए सायरन बजाने की घोषणा की गई तत्पश्चात 2 मिनट तक, एक सी/सपाट आवाज में खतरा टलने का संकेत देकर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल ;त्मेजवतमद्ध की गई। और मॉकड्रिल के समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम में जिला प्रशासन सहित जनपद के पुलिस, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य, विद्युत, नगर निकाय, अग्निशमन, सूचना विभाग, नागरिक सुरक्षा, नगर पालिका, आपदा मित्र, एन0सी0सी, एन0एस0एस0, भारत स्कउट गाईड एवं अन्य समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी सहित गैलेक्सी अपार्टमेंट के संस्थापक व मीडिया एवं दर्शक आदि उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी जसजीत कौर को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार, महामहिम राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना): जनपद के लिए एक अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। जिलाधिकारी जसजीत कौर को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2026 के 'राष्ट्रीय पुरस्कार' के लिए चुना गया है। आगामी 25 जनवरी 2026 को 'नेशनल वोटर्स डे' (राष्ट्रीय मतदाता दिवस) के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने यह पुरस्कार 'ट्रेनिंग कैपेसिटी बिल्डिंग' श्रेणी के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा किए गए उत्कृष्ट और नवाचारी कार्यों के लिए प्रदान करने का निर्णय लिया है। जसजीत कौर ने आयोग द्वारा दिए गए निदेर्शों का न केवल समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए जमीनी स्तर पर व्यापक सुधार किए। बीएलओ (BLO) स्तर तक कर्मचारियों को तकनीकी और व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षित करने के लिए व्यापक कार्यक्रम चलाए गए। निर्वाचन प्रक्रिया की बारीकियों को समझने और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करने के लिए निरंतर माइक्रो प्लानिंग पर जोर दिया गया। बीएलओ के कार्यों की स्वयं जिलाधिकारी द्वारा दैनिक स्तर पर निगरानी और प्रभावी मार्गदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में केवल सरकारी तंत्र ही नहीं, बल्कि राजनैतिक दलों और विभिन्न विभागों को भी सक्रिय रूप से जोड़ा गया। इस बड़ी उपलब्धि पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पुरस्कार किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी जनपद टीम की मेहनत का परिणाम है। राजनैतिक दलों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और एक टीम के रूप में कार्य करने की संस्कृति ने ही बिजनौर को राष्ट्रीय पटल पर यह सम्मान दिलाया है। आगामी रविवार को दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में देश के चुनिंदा अधिकारियों के साथ बिजनौर की जिलाधिकारी को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस खबर के बाद जनपद के प्रशासनिक गलियारों में खुशी की लहर है और लोग सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर रहे हैं।

महिला शक्ति संगठन ने धूमधाम से मनाया बसंत पंचमी एवं स्थापना दिवस

बारिश के बावजूद महिलाओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ किया कार्यक्रम

संभल(सब का सपना):- क्षेत्र में महिला शक्ति संगठन की महिलाओं ने बारिश के बावजूद पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ बसंत पंचमी पर्व और संगठन का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम हयातनगर स्थित कन्या पाठशाला में आयोजित किया गया, जहां महिलाओं ने पीले रंग की साड़ियां पहनकर मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुषमा चौधरी रहीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और संगठन की अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय ने संयुक्त रूप से स्थापना दिवस का केक काटा। महिलाओं ने गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से उत्सव को और रंगारंग बनाया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में छोटे बच्चों ने शिक्षा संबंधी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं संगठन की अध्यक्ष और सदस्याओं ने मिलकर परिवारिक जागरूकता का संदेश देने वाला नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें माता-पिता की जिम्मेदारियों और बच्चों की भावनाओं को समझने पर जोर दिया गया। ब्लॉक प्रमुख सुषमा चौधरी ने कहा कि महिला शक्ति संगठन द्वारा सामाजिक जागरूकता और शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है। महिलाओं का संगठित होकर समाज के लिए काम करना प्रेरणादायक है। संगठन अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय ने कहा कि बारिश के बावजूद महिलाओं का उत्साह यह साबित करता है कि जब नीयत मजबूत हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती। हमारा संगठन शिक्षा, संस्कार और परिवारिक जागरूकता के लिए लगातार कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में संगठन की सभी सदस्याएं और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पीड़ित को जानबूझकर दूर के अस्पताल ले जाया गया', दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया

दिल्ली : धौला कुआं बीएमडब्ल्यू कांड में दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए आरोपी महिला गगनप्रीत कौर को नोटिस जारी किया है। वहीं, अदालत ने मामले में संबंधित पक्षों को 2 फरवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट को बताया कि पिछले साल सितंबर में धौला कुआं के पास बीएमडब्ल्यू कार से कुचले गए वित्त मंत्रालय के 52 वर्षीय अधिकारी नवजोत सिंह को आरोपी ने जानबूझ कर दूर के अस्पताल पहुंचाया, जबकि हादसा आरोपी की लापरवाही के कारण हुआ था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ गैर-इरादतन हत्यासहित अन्य धाराओं में चार्जशीट दाखिल की गई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट अंकित गर्ग ने गुरुवार को दिसंबर में दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया और आरोपी गगनप्रीत मक्कड़ को समन जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी को होगी। जांच अधिकारी ने कोर्ट में कहा, इस मामले में हादसा आरोपी की गलती से हुआ और उसने जानबूझकर पीड़ित को दूर के अस्पताल ले जाया। इसलिए आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 , 281 125बीऔर 238ए (साक्ष्य मिटाने) के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने अपनी 400 पेज की चार्जशीट में आरोप लगाया कि 14 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 1:30 बजे दिल्ली कैंटोनमेंट मेट्रो स्टेशन के पास रिंग रोड पर आरोपी की तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू एक्स5 ने मेट्रो पिलर से टकराकर पलट गई और हरि नगर निवासी नवजोत सिंह की मोटरसाइकिल से जा टकराई। इससे सिंह की मौत हो गई और उनकी पत्नी सहित तीन अन्य घायल हो गए। आरोपी ने कीमती समय बर्बाद किया पुलिस ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद आरोपी ने पीड़ितों को नजदीकी अस्पतालों जैसे दिल्ली कैंटोनमेंट अस्पताल या एम्स ट्रॉमा सेंटर (10-15 मिनट की दूरी) की बजाय करीब 20 किमी दूर जीटीबी नगर स्थित अस्पताल ले जाया, जहां पहुंचने में 23 मिनट लगे। पुलिस ने नुलाइफ अस्पताल को छोटा दो मंजिला नर्सिंग होम बताया और कहा कि इससे ट्रॉमा केयर का गोल्डन आवर बर्बाद हो गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, नवजोत सिंह हादसे के बाद 5-15 मिनट तक जीवित रहे और भारी रक्तस्राव के कारण मौत हुई। पुलिस का कहना है कि समय पर उचित चिकित्सा सहायता मिलती तो उनकी जान बच सकती थी। आरोपी ने मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद भी ठुकरा दी।

चीनी वीजा घोटाला मामला, कार्ति चिदंबरम की याचिका पर सुनवाई से तीसरे जज ने भी खुद को किया अलग

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की उस याचिका से सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें उन्होंने सीबीआई द्वारा जांचे जा रहे कथित चीनी वीजा घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय करने के खिलाफ चुनौती दी है। न्यायमूर्ति कठपालिया ने कहा कि व्यक्तिगत कारणों से वह मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। उन्होंने मामले को मुख्य न्यायाधीश (आपराधिक पक्ष) के आदेश के अधीन किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अब यह मामला 28 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होगा। यह तीसरा मामला है जब दिल्ली हाई कोर्ट के किसी जज ने इस याचिका से खुद को अलग किया है। इससे पहले 15 जनवरी को न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा और 19 जनवरी को न्यायमूर्ति अनूप जे. भंभानी ने भी इसी तरह का आदेश पारित किया था। कार्ति चिदंबरम, जो शिवगंगा से लोकसभा सांसद हैं, ने अपनी याचिका में कहा है कि निचली अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, दस्तावेजों और गवाहों के बयानों पर न्यायिक मन नहीं लगाया और आपराधिकता की अनुपस्थिति दिखाने वाले प्रमाणों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। याचिका में दावा किया गया है कि न तो कोई रिश्वत थी और न ही कोई साजिश, जैसा कि जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है। 23 दिसंबर 2025 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने कार्ति चिदंबरम और छह अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 8 और 9 के तहत आरोप तय किए थे। कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया पर्याप्त सामग्री मौजूद है।

यूपी समेत कई राज्यों में ठंड के बीच हो सकती है बारिश, आईएमडी ने किया अलर्ट जारी

-जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी जारी, मैदानी इलाकों में चली तेज हवाएं

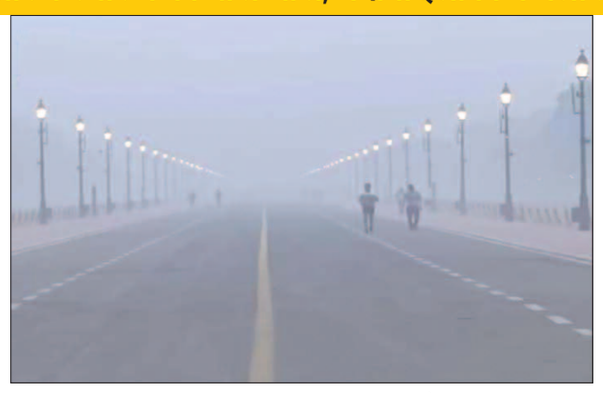

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच कुछ हिस्सों समेत भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार को अलर्ट जारी किया है। वहीं इस सप्ताह उत्तर पश्चिम के राज्य में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है, जिसके चलते ठंड बढ़ सकती हैं। वहीं दिल्ली में भी ठंड की संभावनाएं हैं। इधर, जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी फिर से शुरू हो गई। आईएमडी ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान दो दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं इसके बाद चार दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार हैं।

उत्तर-पश्चिम में मुख्य रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख गिने जाते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 23 जनवरी को हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। ऐसा ही मौसम जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देखा जा सकता है। वहीं, 23 और 24 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। 23 जनवरी को हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और यूपी में तेज हवाएं और गरजन हो सकती है। साथ ही इस दौरान ओलावृष्टि भी दर्ज की जा सकती है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 25 और 26 जनवरी, केरल और माहे में 26 जनवरी को बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में सुबह और रात के समय घना कोहरा छा सकता है। राजस्थान में 24 से 26 जनवरी तक उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 24 जनवरी तक घना कोहरा बने रहने के आसार हैं। 23 जनवरी को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शीत लहर चल सकती है। बता दें गुरुवार को वैष्णो देवी मंदिर क्षेत्र में पहली बर्फबारी दर्ज की गई। इसके चलते त्रिकुटा पहाड़ी पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। कश्मीर घाटी के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग और कुछ अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को बर्फबारी हुई, वहीं श्रीनगर और अन्य मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चलीं।

अधिकारियों के मुताबिक उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में गुरुवार देर शाम से बर्फबारी शुरू हो गई। गुलमर्ग में कुछ इंच बर्फ जमा हो गई है। मौसम विभाग ने कहा था कि घाटी के मैदानी इलाकों समेत व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। शिमला में करीब तीन महीने बाद शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में भी बर्फबारी हो रही है, जिनमें राज्य का एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल मनाली भी शामिल है। स्थानीय मौसम केंद्र ने भारी बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। प्रशासन ने कहा कि चौपाल समेत जिले के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी जारी है, जिसके कारण चौपाल-देहा सड़क पर यातायात बाधित हो गया है।

कपिल मिश्रा FIR विवाद गहराया: दिल्ली विधानसभा ने पंजाब पुलिस के DGP को भेजा नोटिस, मांगी पूरी जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब पुलिस द्वारा दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर सख्त रुख अपनाया है। विधानसभा ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एफआईआर दर्ज करने से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जालंधर पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज एफआईआर के संबंध में पहले भी जानकारी मांगी गई थी, लेकिन मांगी गई अतिरिक्त सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। ऐसे में डीजीपी, पंजाब को निर्देश दिया गया है कि 28 जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। पंजाब पुलिस ने मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर इस आरोप में दर्ज की है कि दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी द्वारा दिए गए बयान के वीडियो से कथित तौर पर छेड़छाड़ कर उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया। पुलिस का आरोप है कि वीडियो को संपादित कर भ्रामक रूप में साझा किया गया। हालांकि, दिल्ली विधानसभा की ओर से कराई गई जांच में दावा किया गया है कि संबंधित वीडियो के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। विधानसभा की जांच रिपोर्ट में वीडियो को मूल रूप में बताया गया है। यह मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर महत्व ग्रहण करता जा रहा है। एक ओर पंजाब पुलिस वीडियो से छेड़छाड़ का आरोप लगा रही है, वहीं दिल्ली विधानसभा की जांच में इसे खारिज किया गया है। ऐसे में दोनों पक्षों की जांच रिपोर्ट और दस्तावेज सामने आने के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। विधानसभा द्वारा नोटिस भेजे जाने के बाद अब निगाहें पंजाब पुलिस की ओर हैं कि वह निर्धारित समयसीमा के भीतर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराती है या नहीं।

शिवसेना ने की बाला साहेब ठाकरे ओर सुभाष चन्द्र बोस को भारत रत्न देने की मांग

शिव सेना ने बाला साहब ठाकरे की 100वी ओर सुभाष चन्द्र बोस की 129वी जयंती बड़ी धूम धाम से मनाई

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के सभी शिव सैनिक, शिव सेना के मुरादाबाद मंडल प्रमुख आर.के.आर्य एडवोकेट के नेतृत्व में शिवाजी पार्क में एकत्रित हुए ओर हिन्दू हृदय सम्राट श्रद्धेय बाला साहेब ठाकरे जी की 100वी जयंती ओर आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस जी की 129 भी जयंती पर खूब आतिशबाजी की ओर लड्डू मिठाई बांटी सभी शिवसेनिको ने बाला साहेब ठाकरे अमर रहे, सुभाष चन्द्र बोस अमर रहे ,शिव सेना जिंदाबाद जिंदाबाद,जय भवानी जय शिवाजी ,आदि के गगनभेदी नारे लगाते हुए उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उपजिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम एक ज्ञापन दोनों ही क्रांतिकारियों को भारत रत्न देने की मांग को लेकर दिया। मांग करते हुए कहा कि बाला साहब ठाकरे ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन के माध्यम से सबको सिखाया कि अनेक संघर्षों ओर कठिनाइयों के बाद भी कैसे अपनी विचारधारा ओर राष्ट्रहित के प्रति अडिग रहा जाता है दोनों ने ही देश ओर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रभक्ति, अखंडता, संप्रभुता व संपूर्ण भारतवर्ष के लिए अपने योगदान के लिए भारत रत्न देने की मांग शिव सेना आपसे करती है क्योंकि दोनों ही महापुरुषों ने अलग अलग तरह से जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया ओर सभी भारतवासियों को एकजुटता का पाठ पढ़ाया हमेशा देश हित की बात की जब जब हमारे देश की तरफ कोई किसी अन्य पड़ोसी दुश्मन देशों द्वारा आंखें टेढ़ी की तब तब दोनों ही क्रांतिकारियों ने अपनी अपनी अपनी भाषा में मुंह तोड़ जबाव दिया आज 23 जनवरी पर शिव सेना दोनों ही क्रांतिकारियों की जयंती के शुभवसर पर देशहित/जनहित में महामहिम राष्ट्रपति जी से भारत रत्न देने की मांग करती है।

धनौरा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर ट्रांसफर किए 13750/- वापस कराए

धनौरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में पीड़ित वादी युवक के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर 13750 रुपए ट्रांसफर कर लेने के मामले में थाना मंडी धनौरा साइबर सेल एवं थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराए गए। इसके बाद पीड़ित युवक ने सहर्ष अमरोहा पुलिस एवं धनोरा पुलिस का आभार प्रकट किया। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव हैबतपुर निवासी रिकिन कुमार पुत्र सोरन सिंह के द्वारा बीती 8 जनवरी 2026 को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई थी ।शिकायत के अनुसार वादी के खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर 13750 निकाल लिए गए थे, जिसके बाद अमरोहा पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मंडी धनौरा साइबर सेल एवं थाना साइबर क्राइम टीम जनपद अमरोहा को अग्रिम कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया था। इस मामले में धनोरा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना मंडी धनौरा साइबर सेल में साइबर सेल अमरोहा की टीम द्वारा वादी रिकिन कुमार पुत्र सोरन सिंह के खाते में धोखाधड़ी कर ट्रांसफर की गई 13750 की धनराशि को वापस कराया गया। अपनी धनराशि को खाते में वापस पाकर वादी युवक ने खुशी का इजहार करते हुए थाना मंडी धनौरा कार्यालय आकर अमरोहा पुलिस को धन्यवाद दिया एवं थाना मंडी धनौरा साइबर सेल व थाना साइबर क्राइम टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की। इसके अलावा अमरोहा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अपने खाते से संबंधित या अन्य ओटीपी पासवर्ड आदि व्यक्तिगत गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा ना करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जांचे परखे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भुगतान न करें ,यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है ,आप स्वयं जागरूक रहे और अपने आसपास के अधिक से अधिक लोगों में जानकारी साझा करें, जिससे कि किसी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी न हो सके।

साइंस का कमाल! बिना चीर-फाड़ बदला गया हार्ट वाल्व, इस नई और अत्याधुनिक तकनीक से हुआ इलाज

हिसार के चिकित्सा क्षेत्र में हृदय रोग के उपचार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। जिंदल अस्पताल हिसार में बिना किसी चीड-फाड़ के हार्ट के एओर्टिक वाल्व को सफलतापूर्वक बदला गया है। यह नई और

हिसारः हिसार के चिकित्सा क्षेत्र में हृदय रोग के उपचार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। जिंदल अस्पताल हिसार में बिना किसी चीड-फाड़ के हार्ट के एओर्टिक वाल्व को सफलतापूर्वक बदला गया है। यह नई और अत्याधुनिक तकनीक ट्रांस कैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (तावी) के नाम से जानी जाती है, जिसमें ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती। जिंदल अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिमेष अग्रवाल ने बताया कि हिसार के जाने माने प्रॉपर्टी व्यवसायी गुलशन सिंगला को सांस लेने में गंभीर तकलीफ के चलते

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज पहले से ही हाई शुगर, ब्लड प्रेशर और फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। जांच में पाया गया कि उनके हार्ट के एओर्टिक वाल्व में अत्यधिक सिकुड़न और कैल्शियम का जमाव हो चुका था, जिससे हृदय की पंपिंग क्षमता कम हो गई थी और हार्ट कमजोर हो गया था। डॉ. अनिमेष अग्रवाल के अनुसार, ऐसे मामलों में वाल्व रिप्लेसमेंट ही एकमात्र उपचार विकल्प होता है। अब तक यह सर्जरी केवल ओपन हार्ट ऑपरेशन द्वारा ही संभव थी, जो कई मरीजों के लिए अत्यधिक जोखिम भरी होती है। तावी तकनीक के माध्यम से बिना चीर-फाड़ पैर की नस के रास्ते कृत्रिम वाल्व को हार्ट तक पहुंचाकर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया जाता है। इसी तकनीक से मरीज का सफल उपचार किया गया। ऑपरेशन के अगले ही दिन मरीज को सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया और दूसरे दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फॉलोअप जांच में पाया गया कि मरीज के हार्ट का फंक्शन पूरी तरह सामान्य हो चुका है। अस्पताल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक भारद्वाज ने बताया कि हिसार और आसपास के क्षेत्रों में अब तक तावी के बहुत ही सीमित केस हुए हैं। केस की जटिलता को देखते हुए यह संभवतः यह अपनी तरह का पहला सफल मामला है। इस जटिल प्रक्रिया में रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. प्रियंका छाबड़ा और डॉ. पंकज लीखा, कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. नीरज मोंगा, कार्डियक सर्जन डॉ. अशोक चहल तथा फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा गर्ग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

जिंदल अस्पताल की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रितु चोपड़ा ने कहा कि अस्पताल कार्डियोलॉजी विभाग को इस प्रकार के एडवांस्ड ट्रीटमेंट का केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि जिंदल अस्पताल और समस्त जिंदल परिवार हरियाणा व हिसार के मरीजों तक नवीनतम चिकित्सा तकनीकों के माध्यम से पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जुलाना में गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस हुई अलर्ट, होटलों में चलाया सर्च अभियान

जुलाना: जुलाना की नई अनाजमंडी में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जुलाना पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी विक्रम जोसन के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा कस्बे के विभिन्न होटलों, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों पर सर्च अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते नियंत्रण पाना रहा। पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख होटलों में ठहरे लोगों की जांच की और होटल संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पूरा रिकॉर्ड रखें। इस दौरान पहचान पत्रों की गहनता से जांच की गई और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। वहीं थाना प्रभारी विक्रम जोसन ने बताया कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व है, इसलिए सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस गश्त भी बढ़ा दी गई है ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। होटल संचालकों और आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जजों की पेंशन को लकेर एचसी का बड़ा फैसला

चंडीगढ़: पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जज को मिलने वाली पेंशन एक सांविधानिक रूप से संरक्षित, निहित अधिकार है जिसे समायोजित या न्यूट्रलाइज नहीं किया जा सकता। अदालत ने हरियाणा सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें लोकायुक्त के रूप में नियुक्त पूर्व जजों के वेतन से उनकी पेशन काटी जा रही थी। न्यायमूर्ति संदीप मौदगिल ने कहा कि हरियाणा लोकायुक्त अधिनियम, 2002 के तहत लोकायुक्त का वेतन वर्तमान हाईकोर्ट जज के समकक्ष तय है और इसमें पेंशन कटौती का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार को अपने स्तर पर पेंशन काटने का कोई अधिकार नहीं था। अदालत ने इस कार्रवाई को असाविधानिक, भेदभावपूर्ण और विधिसम्मत आधार से रहित करार देते हुए सभी बकाया राशि 6 प्रतिशत व्याज सहित चार सप्ताह में जारी करने का निर्देश दिया। यह फैसला न्यायमूर्ति एनके सूद सहित अन्य पूर्व जजों की याचिका पर आया, जिन्होंने हरियाणा के लोकायुक्त के रूप में निर्धारितु पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था। याचिकाकताओं ने 18 अगस्त 2022 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके जरिए राज्य ने उन्हें हाईकोर्ट जज के समकक्ष पूरा वेतन देने से इन्कार करते हुए पेंशन काट ली थी। मामले की मूल कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए न्यायमूर्ति मौदगिल ने कहा, यह विवाद न तो न्यायसंगत का है और न ही प्रशासनिक विवेक का। यह सांविधानिक आदेश का प्रश्न है। जहां संविधान और संसदीय कानून प्रभावी ही वहां कार्यपालिका की व्याख्या टिक नहीं सकती। अदालत ने राज्य के दोहरे लाभ वाले तर्क को खारिज कर दिया।

हरियाणा से बिहार जाने वाले यात्रियों को लिए बड़ी खबर, अब नहीं होगी सफर में दिक्कत...

चंडीगढ़: बिहार से हरियाणा में आकर बसे कामगारों को अब त्योहार व अन्य किसी मौके पर घर जाने के लिए ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ेगा। छठ पूजा की तर्ज पर हरियाणा के शहरों से बिहार के लिए बस सेवा की शुरूआत होगी। इसके लिए बिहार के परिवहन विभाग ने हरियाणा परिवहन विभाग से संपर्क साधा है। अभी हरियाणा से फिलहाल कोई बस सेवा नहीं है। ऐसे में बिहार के लोगों को ट्रेन या फिर दिल्ली की बसों में सवार होकर जाना पड़ता है। छठ पूजा में पहली बार हरियाणा से बिहार के लिए बसें चलाई गई थीं। ट्रायल सफल होने के बाद अब फिर से हरियाणा के उन शहरों में बसें चलाई जाएंगी जहां बिहार के लोगों की संख्या अधिक है। सबसे पहले गुरुग्रामसे बस चलाने की योजना है। गुरुग्राम व उसके आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में बिहार के लोग रहते हैं। उसके बाद दूसरे शहरों से भी बसें चलाई जा सकती हैं। हरियाणा के नौ शहरों में इलेक्ट्रिक बसें मार्च तक आ जाएगी। इसके लिए हरियाणा परिवहन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। परिवहन विभाग के महानिदेशक प्रदीप कुमार ने बताया कि अगली परचेज कमेटी की बैठक में बस खरीद का प्रस्ताव रखा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद इलेक्ट्रिक बसें डिपो में पहुंच जाएगी। अभी हरियाणा के नौ शहरों में सिर्फ पांच-पांच इलेक्ट्रिक बसें भेजी गई थीं अं जबकि इन शहरों में 50-50 बसें भेजने का प्रस्ताव है।

यमुनानगर का जवान जम्मू-कश्मीर में शहीद, 2 बहनों का इकलौता भाई था सुधीर नरवाल, पूरे गांव में पसरा मातम

यमुनानगर : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में हरियाणा के यमुनानगर जिले के शेरपुर गांव के सुधीर नरवाल शहीद हो गए हैं। जवान के शहीद का खबर सुनते ही परिवार में सन्नाटा छा गया है। सुधीर नरवाल 3 भाई-बहनों में सबसे छोटा और इकलौता था। इसी 27 जनवरी को उसे घर लौटना था। घटना के बाद मां का रो-रो कर बुरा हाल है तो पत्नी बेशुध हालत में है। शुरू से ही आर्मी में जाने की दिलचस्पी रखते थे सुधीर नरवाल जम्मू कश्मीर के डोडा में हुए सड़क हादसे में 10 जवानों की मौत हुई थी। इन 10 जवानों में यमुनानगर जिले के शेरपुर गांव के 30 वर्षीय सुधीर नरवाल भी इस हादसे के शिकार हुए हैं। साल 2016 में आर्मी

जॉइन करने वाले सुधीर नरवाल शुरू से ही आर्मी में जाने की दिलचस्पी रखते थे। रोजाना अपने गांव से करीब 20 किलोमीटर जगाधरी के तेजली खेल परिसर में प्रेक्टिस करने के लिए जाते थे। लगन को देखकर न सिर्फ परिवार तारीफ करता था बल्कि पूरे गांव को उन पर नाज था। लेकिन इस सड़क हादसे से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। मां हर किसी को कह रही है कि अपने बेटे को कभी आर्मी में मत भेजना। शहीद सुधीर नरवाल ने 12वीं पास करने के बाद ने आर्मी ज्वाइन की थी और कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। कुछ दिन बाद उनके पिता हरपाल का निधन हो गया था। तीन भाई बहनों में सबसे छोटा और इकलौता चिराग था। बहन कविता शादी के बाद विदेश चली गई है और दूसरी बहन कुलविंदर की भी शादी हो गई है। सुधीर नरवाल का 4 साल का लड़का आयांश है पत्नी रूबी एक प्राइवेट नौकरी करती है। सुधीर ने 27 जनवरी को घर आना था परिवार के लोग बेहद खुश थे लेकिन उनकी मौत की खबर ने माहौल को पूरी तरह से सुनसान कर दिया है। फिलहाल मौसम खराब होने की वजह से सुधीर की बॉडी को घर ले आने में दिक्कत आ रही है तो दूसरी तरफ उसकी बहन को पहुंचने में भी देरी लगेगी। लेकिन सुधीर की मौत ने न सिर्फ इस परिवार को सदमा दिया बल्कि देश का एक लाल कम हो गया है।

2 मंजिला मकान की छत गिरी: मलबे में दबने से मालिक की हुई मौत, मां करती रही बचाने की कोशिश पर...

नरवाना: डोहाना खेड़ा गांव में वीरवार को दो मंजिला मकान की छत गिर गई। इस दौरान मलबे में दबने से मकान मालिक 45 वर्षीय जंगीर उर्फ काला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। घटना की सूचना मिलते ही उचाना के एसडीएम दलजीत सिंह और नरवाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से मलबे में दबे जंगीर को बाहर निकाला गया। जंगीर वीरवार दोपहर बाद अपने मकान के नीचे वाले कमरे में आराम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें नींद आ गई। महज पांच मिनट में ही छत अचानक भरभराकर गिर गई और मलबे के नीचे दबने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक की 60 वर्षीय मां राजपति भी मौके पर पहुंची। बेटे को निकालने के प्रयास में उनके हाथ पर ईंट गिरने से वह भी घायल हो गईं। मृतक के दो बेटे हैं जिनमें बड़ा बेटा अभि और छोटा बेटा कीमत है। जंगीर ही परिवार का एकमात्र सहारा था जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

युवाओं के लिए सुनहरा मौका, निजी कंपनियों में भारी पदों पर भर्ती, 27 तक दें आवेदन

चंडीगढ़: हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) ने हरियाणा में 800 पदों पर नौकरी निकाली है। इसके लिए 27 जनवरी तक आवेदन किए जा सकेंगे। सभी पदों पर भर्ती निजी कंपनियों में होगी। निगम ने एमआईजी वेल्डर पद के लिए फरीदाबाद, अंबाला, बल्लभगढ़ के लिए 300 पदों के लिए आवेदन मांगे है। इसमें 15 से 20 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा और इन पदों के लिए 27 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। आईटीआई करने वाले और 1 से 3 वर्ष अनुभव रखने वाले ही आवेदन कर सकेंगे। यह नौकरी फुल

टाइम और कॉन्ट्रैक्ट पर होगी। 200 फेब्रीकेशन वेल्डर के पदों के लिए 25 जनवरी तक आवेदन किए जा सकेंगे। फरीदाबाद व बल्लभगढ़ में नौकरी मिलेगी। चयन होने पर उन्हें 18 हजार से 25 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा। फेब्रिकेशन वेल्डर के क्षेत्र में 1 से 4 वर्ष का अनुभव रखने वाले ही आवेदन कर सकेंगे। ओवरटाइम से लेकर दूसरी सुविधाएं भी तैनाती के बाद नियम-शतों के अनुसार मिलेंगी। इसके अलावा आईटीआई फिटर के 300 पदों के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। चयनित होने पर दिल्ली के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और अंबाला में नौकरी मिलेगी। वेतन 18 हजार रुपये प्रति माह तक होगा। आईटीआई फिटर, मेंटीनेंस, इंस्टॉल, रिपेयर मेकेनिकल आदि की योग्यता होनी चाहिए। गणित और विज्ञान के साथ 10वीं उत्तीर्ण करने वाले या आईटीआई करने वालों को वरीयता दी जाएगी। 1 से 3 वर्ष संबंधित क्षेत्र में अनुभव रखने वालों को भी वरीयता मिलेगी।

हरियाणा में यहां से मिले चांदी के 70 सिक्के, पहले भी मिले थे 280 सिक्के...खुदाई में मिला खजाना

खरखौदा: पिपली गांव में सती माता मंदिर के पास मिले पुराने सिक्कों और जेवरों को लेकर माथापच्ची कम होने के बजाय बढ़ गई है। एक ओर पहले मिल चुके 270 सिक्कों को लेकर अभी पंचायत की जानी है तो अब 70 से ज्यादा सिक्के और मिले हैं। चांदी के इन सिक्कों पर वर्ष 1803 और 1900 अंकित है। फिलहाल ये सिक्के गांव की सरपंच सोनिया के पास मौजूद हैं। इसी के साथ इस मामले को पुलिस को देने पर विचार किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के बाहरी छोर पर करीब 150 साल पुराने सती माता मंदिर की

चहारदीवारी के लिए नींव खोदी जा रही थी। जेसीबी के पंजे से मिट्टी में चांदी के कुछ सिक्के उभरे दिखने लगे। इसके बाद खोदाई जारी रखी गई तो कुछ सिक्के और गहने फिर मिले। मौके पर मौजूद लोगों ने सिक्कों की गिनती की तो 270 सिक्के मिले। मंदिर निर्माण समिति के पदाधिकारी नरेश पराशर के अनुसार ग्रामीणों ने इस धन को मंदिर के निर्माणकार्य में लगाने का फैसला किया था। जिसके पास इसे रखा गया था, उसने लौटाने से इन्कार कर दिया। इसके बाद वह पंचायत में भी नहीं पहुंचा। पवन की माने तो वह, मुकेश और आनंद मौके पर थे। टूटे हुए गहनों और चांदी के सिक्कों को आनंद के पास रखा था। बुधवार और वीरवार को भी यहां से 70 से ज्यादा सिक्के मिले हैं। इन्हें फिलहाल गांव की सरपंच सोनिया के हवाले किया गया है।

इसी के साथ आज आनंद भी सामने आ गया। आनंद का कहना है कि परिवार ने मंदिर के पास मिले धन को घर में रखने पर अनहोनी की आशंका जताई तो वह उन्हें मिट्टी में दबा आया था।

सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील की खाद्य समाग्री की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, बच्चों ने स्वयं की थी शिकायत

रादौर : सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को पोषण युक्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई मिड-डे मील योजना की खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे है। रादौर के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय सहित क्षेत्र के कई स्कूलों में हरियाणा एग्रो द्वारा भेजी गई मिड-डे मील योजना की खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने सवाल उठाए है। एसएमसी सदस्यों का कहना है कि कुछ खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बेहद खराब है जिसकी जांच होनी चाहिए और संबंधित सप्लाई एजेंसी व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। बच्चों ने स्वयं की थी भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत एसएमसी सदस्य अमित काम्बोज ने बताया कि बच्चों ने स्वयं भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत की थी। इसके बाद जब एसएमसी द्वारा राशन की जांच की गई तो गुणवत्ता सही नहीं पाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही बच्चों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है और मामले की निष्पक्ष जांच कर सप्लाई एजेंसी व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं स्कूल के मुख्याध्यापक रविंद्र काम्बोज ने बताया कि इस बार मिड-डे मील का राशन हरियाणा एग्रो द्वारा सप्लाई किया गया था, जिसमें कुछ सामग्री की गुणवत्ता खराब पाई गई है। इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है और बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उक्त राशन का उपयोग नहीं किया जाएगा।

खिलाड़ी से यौन शोषण के आरोपी कोच की जमानत को लेकर कोर्ट का फैसला, जानें पूरा मामला

फरीदाबाद: राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज नाबालिग खिलाड़ी से यौन शोषण के आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज को जिला अदालत से राहत नहीं मिली। आरोपी कोच के अधिवक्ता की ओर से जिला अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई। वीरवार को अतिरिक्त सत्र न्यायालय में याचिका पर सुनवाई हुई। कोच के अधिवक्ता व अभियोजन पक्ष ने दलीलें रखीं। सभी पक्षों को सुनने के बाद जिला अदालत ने आरोपी कोच की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। फरीदाबाद के महिला थाना एनआईटी में छह जनवरी को पोक्सो एक्ट की धारा 6 व बीएनएस की धारा 351 (2) के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस को दी शिकायत में नाबालिग खिलाड़ी ने बताया कि साल 2017 से वह शूटिंग सीखने लगी थी और अगस्त 2025 में भारतीय शूटिंग टीम के कोच अंकुश भारद्वाज से उसने ट्रेनिंग लेना शुरू किया। आरोप है कि कोच उसे शूटिंग की ट्रेनिंग के लिए मोहाली, पटियाला, देहरादून और दिल्ली बुलाते थे।

हरियाणा के कलाकार की ऐसी कलाकारी, जिसे देख आप भी हो जाएंगे हैरान...बनाई ये खास चीजें

करनाल : करनाल में एक ऐसे कलाकार जिनकी कलाकारी को देख कर आप भी हैरान हो जाएंगे। जिनका नाम राजेंद्र वाधवा है, इन्होंने इतनी छोटी पतंग बना रखी है कि एक माचिस की डिब्बी में 1000 पतंग आ सकती है। पतंग इतनी छोटी की सुई की मोरी में से पतंग निकल जाए। इन्होंने 8 टट का छोटा सा चरखा भी बनाया है, साथ ही एक छोटा बैट बनाया है जिस पर चावल के दानों से टीम इंडिया के खिलाड़ियों का नाम है। बंद बोतल में चारपाई, ताजमहल, नाखून से छोटी हनुमान चालीसा, रामायण, शिव चालीसा, एक पोस्ट कार्ड पर 50 हजार बार मेरा भारत महान लिखा है। वो चाहते हैं कि उनकी इस कला को कोई पहचानें और वो अपने इन कारनामों को गिनीज बुक रिकॉर्ड में दर्ज करवाना चाहते हैं। बचपन से ही कुछ अलग करने का शौक था- राजेंद्र वधवा करनाल के रहने वाले राजेंद्र वधवा ने बताया कि बचपन से ही उन्हें कुछ अलग करने का शौक था, लेकिन इस बार

उन्होंने एक ऐसी पतंग बनाई है जो सूई के सुराख में से आर-पार हो जाती है। सिर के बाल के साथ पतंग के कन्ने भी डले हुए हैं। पतंग की खास बात यह है अगर एक माचिस की डिब्बी में ऐसी हजार पतंगे आ सकती है। उन्होंने बताया इसके साथ-साथ सूक्ष्म लेखों से छोटी हनुमान चालीसा, रामायण और शिव चालीसा बनाया हुआ है, जो हाथ की सबसे छोटी उंगली के नाखून से छोटी होती है, उससे भी बारीक है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही उन्हें कुछ अलग करने का शौक था इसलिए वह हमेशा कुछ अलग करते हैं। उन्होंने कहा कि हर आइटम बनाने में अलग-अलग समय लगता है। बोतल के अंदर ताजमहल बनाया हुआ है और बोतल के अंदर वो कुछ भी बना सकते हैं। महात्मा गांधी के साथ चरखा बना हुआ है, अर्जुन रथ भी बना हुआ है। गीता का उपदेश देते हुए राजेंद्र ने कहा कि इस बार गिनी बुक में रिकॉर्ड दर्ज करने के लिए वह अपने हाथों से बनाई हुई अलग-अलग वस्तुओं को रिकार्ड दर्ज कराएंगे। जिसमें एक चरखा महात्मा गांधी का एक पतंग और सूक्ष्म लेख से जो रामायण लिखी हुई है, वो प्रस्तुत करेंगे। हनुमान चालीसा को तैयार करने में लग गए थे पूरे 20 दिन उन्होंने बताया कि हनुमान चालीसा को तैयार करने में उन्हें पूरे 20 दिन लग गए थे। कड़ी मेहनत के बाद वह इस तरह की वस्तुओं को तैयार करते हैं।

पेंसिल से यह सब कुछ लिखा जाता है, कई बार आपका भी दर्द करने लग जाती है लेकिन हौसला इतना होता है कि सब कुछ आसानी से हो जाता है। उन्होंने कहा ये सब बनाने के लिए सिर का बाल, कागज, कलर पेपर, फेविकोल इस तरह की चीजों से ये सब कुछ तैयार किया है। उन्होंने कहा इस सबके लिए मुझे परिवार को भी समय देना पड़ता है और अपने शौक को भी मैं मार नहीं सकता, इसलिए लगातार कुछ अलग करने का प्रयास करता रहता हूं।

रेवाड़ी में 5 बहनों के इकलौते भाई की मौत, इस हालत में मिला शव, घर से सामान लेने निकला था मृतक

रेवाड़ी : रेवाड़ी जिले के गांव हरचंदपुर में उस समय मातम पसर गया, जब परिवार के इकलौते के इकलौते सहारे 35 वर्षीय सिकंदर की मौत हो गई। उसका शव बावल रेलवे पुल के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सिकंदर 5 बड़ी बहनों का इकलौता भाई था। वहीं 3 बच्चों का पिता भी था। पुलिस जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार सिकंदर बीते दिन सुबह घर का सामान लेने के लिए निकला था। जब देर शाम तक वह घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी छानबीन शुरू की। उसका कही कुछ पता नहीं चला। आज सुबह बावल में रेलवे पुल के पास राहगीरों ने शव पड़ा देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मृतक की पहचान सिकंदर के रूप में हुई। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि सिकंदर की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। वहीं शरीर पर चोट के निशानों या अन्य कारणों की जांच की जा रही है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : जीत का सिलसिला जारी रखने उतरगी भारतीय अंडर 19 टीम

बुलावायो (एजेंसी)। इंडिया अंडर19 और न्यूज़ीलैंड अंडर19 के बीच शनिवार को होने वाला ग्रुप-स्टेज का मुकाबला क्रिकेट से कहीं ज्यादा होने वाला है। यह मुकाबला स्किल, हिम्मत और अनप्रेडिक्टेबल होने वाला है। इंडिया अंडर-19 का मुकाबला न्यूजीलैंड की टीम से है जो बारिश से बाधित मैचों के कारण मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष कर रही है।

इंडिया अंडर-19 अपने दोनों ग्रुप मैच पहले ही जीत चुका है और अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। आयुष म्हात्रे की लीडरशिप वाली युवा टीम में टैक्टिकल स्किल के साथ वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों की इंडिविजुअल काबिलियत का मेल है। उनके इन-फॉर्म बॉलर, जिनमें हेनिल पटेल और खिलन पटेल शामिल हैं, एक खतरनाक बढ़त देते हैं, जिससे इंडिया मैच में फेवरेट बन जाता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड अंडर19 अपने पिछले मैचों में भारी बारिश के कारण बहुत कम मैच एक्सपीरियंस के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। उनके टॉप-ऑर्डर बैट्समैन और टॉम जोन्स और कैलम सैमसन जैसे खास बॉलर, इंडिया के मजबूत अटैक को संभालने और क्रीज स्पोर्ट्स क्लब की बॉलर-फ्रेंडली और अनप्रेडिक्टेबल पिच पर एडजस्ट करने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

इस ड्रामा को और बढ़ाने वाली बात यह है कि आंधी-तूफान और लगातार बारिश खेल में रुकावट डाल सकती है, जिससे मैच का रोमांच बढ़ जाएगा और फैंस सोच में पड़ जाएंगे कि मैच पूरी तरह से होगा या एक हाई-इंटेंसिटी, छोटा मुकाबला बनकर रह जाएगा। खेल का दबदबा, मौसम का ड्रामा और कुछ लोगों के दमदार प्रदर्शन का यह मेल इस मैच को जरूर देखने लायक बनाता है।

इंडिया के इन-फॉर्म बॉलर न्यूजीलैंड की बारिश से प्रभावित बैटिंग लाइनअप को परखेंगे, जबकि सुपर सिक्स स्टेज से पहले इंडिया के टॉप-ऑर्डर पर फॉर्म को बड़े स्कोर में बदलने का दबाव बनेगा। मौसम की अनिश्चितता और पिच का नेचर नतीजे को अचानक बदल सकते हैं। इंडिया अंडर19 टीम अपने लगातार परफॉर्मेंस और बेहतर अनुभव का फायदा उठाकर जीतने की प्रबल दावेदार है। हालांकि, बारिश के कारण खेल रुक सकता है, जिससे अनप्रेडिक्टेबल नतीजे और नाटकीय पलों की गुंजाइश बन सकती है।

अगर मैच आगे बढ़ता है, तो फैंस को डिसिप्लिन्ड बॉलिंग, जरूरी पाटर्नरशिप और शानदार पर्सनल परफॉर्मेंस वाले मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए। यह गेम सिर्फ़ एक रेगुलर ग्रुप-स्टेज मैच नहीं है-यह एम्बिशन, मुश्किलों

और मौके की कहानी है। इंडिया अंडर19 का बारिश से प्रभावित न्यूज़ीलैंड टीम के खिलाफ बिना हारे जीत की कोशिश उस एक्साइटमेंट और अनप्रिडिक्टेबिलिटी को दिखाता है जो अंडर-19 वर्ल्ड कप को फ्यूचर स्टार्स के लिए एक अच्छा ग्राउंड बनाती है।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन हारे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता (एजेंसी)। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सिंधू का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधू 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधू की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत वर्ष 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट तक चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का 21 साल कर यह खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जताई है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून।

तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले भे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के एडम, जैमीसन शामिल

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज एडम मिलने चोटिल होने के कारण अगले माह भारत में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। एडम को ये चोट 20 लीग खेलते समय लगी। इसके बाद उनकी जगह पर काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया गया है। जैमिसन अभी भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं। जैमीसन पहले से ही न्यूजीलैंड की ट्रैवलिंग रिजर्व में शामिल थे। न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के ग्रुप-डी में शामिल है। उसे अपना पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान से खेलना है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, एडम के बाएं हैमस्ट्रिंग में में खिंचाव आया है जिससे वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह पर जैमीसन को शामिल किया गया है। उन्हें एस20 में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। जैमीसन को पहले ही भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर

पर शामिल किया गया था।

कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि एडम के बार होने पर हमें भी निराशा हुई है पर ये खेला का हिस्सा है।। उन्होंने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए काफी मेहनत की थी। ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपने अच्छी फॉर्म में दिखे थे। हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं।वहीं वाल्टर ने जैमीसन को लेकर कहा कि वह एक विकल्प हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि वह पहले से ही हमारे साथ हैं। वह हमारे तेज गेंदबाजी समूह में शामिल हैं। इस दौरे पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। वह एक मेहनती खिलाड़ी हैं जिनके पास अच्छा अनुभव हैं जो टूर्नामेंट में उनके लिए लाभदायक रहेगा। वाल्टर ने कहा कि टी20 विश्वकप कप के लिए एक ट्रैवलिंग रिजर्व की घोषणा जल्द ही घोषणा की जाएगी।

न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड- मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी.

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है। डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है। साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है। उन्हें टी20 विश्वकप 2026 की भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने के बांग्लादेश के फैसले पर अजहरुद्दीन का बड़ा बयान आया सामने

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मैचों के लिए भारत न आने का फैसला आखिरकार उनके लिए नुकसानदायक होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत करना गलत है, यह देखते हुए कि न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने भी हाल ही में खेला था।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत नहीं कर सकते। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने कुछ दिन पहले ही खेला था।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा,

'आप वर्ल्ड कप के मैचों को इधर-उधर नहीं बदल सकते। चूंकि मैच पहले से ही तय हैं, इसलिए मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है।'

अजहरुद्दीन की यह टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के उस अनुरोध के बाद आई है जिसमें उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से अपने खिलाड़ियों की 'सुरक्षा और संरक्षा चिंताओं' का हवाला देते हुए अपने मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। BCB का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा IPL फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बीच 2026 सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश देने के बाद आया था।

ICC ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए BCB के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनके मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए, जो आगे की राह पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। BCB के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने गुरुवार को पुष्टि की कि ICC द्वारा उनके अनुरोध को खारिज करने के बाद भी BCB भारत में अपने ICC पुरुष वर्ल्ड कप मैच न खेलने के अपने फैसले पर कायम है। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक बांग्लादेश 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान शुरू करेगा।

लिटन दास की कप्तानी वाली टीम इसके बाद 9 फरवरी को उसी जगह पर इटली का सामना करेगी, जिसके बाद वह फिर से कोलकाता में इंग्लैंड से खेलेगी। इंग्लैंड का सामना करने के बाद बांग्लादेश वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलने के लिए मुंबई जाएगा।

टी20 विश्वकप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के फैसले से निराश हैं बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुम्बई । बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया है। इससे बांग्लादेश की टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। ऐसे में अब स्कॉटलैंड को विश्वकप में जगह मिल सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के इस फैसले से बांग्लादेश के क्रिकेटर खुश नहीं हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप नहीं खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे बात नहीं की थी। खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके से है। इसमें खिलाड़ियों से बात करने की जगह आदेश दिये गये। इससे खिलाड़ियों को लगा कि वे फैसले का हिस्सा नहीं बने। बोर्ड न हालांकि खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी पर उसमें कुछ नहीं हुआ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : अल्कराज और सबालेंका चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न । विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के 22 वर्षीय अल्कराज यहां करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी माउटेट से मिली चुनौती से निपटते हुए 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। अल्कराज ने कोर्ट पर टीवी इंटरव्यू में कहा, 'जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए।' अल्कराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने के कारण अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम कर लिए थे। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से हराया। सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टौसन को 7-6 (5), 5-7, 6-3 से हराया।

बाबर बीबीएल से हटे , डेनियल ह्यूजेस शामिल

सिडनी । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट गये है। बाबर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स से खेल रहे थे। ऐसे में सिडनी सिक्सर्स ने बाबर की जगह पर डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया है। टीम ने कहा कि बाबर फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने की तैयारी के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल ह्यूजेस सीधे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। सिक्सर्स ने कहा, आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले बाबर को पाकिस्तान बोर्ड ने नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया था, इसी कारण उन्हें जाना पड़ रहा है। उनकी कमी बीबीएल 15 फाइनल सीरीज़ के शेष मैचों में रहेगी।। वहीं बाबर ने लीग में रहने के दौरान अपने समर्थन के लिए सभी प्रशंसकों का आभार जताया है। बाबर ने सोशल मीडिया में कहा, सबसे पहले मुझे अवसर देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया। हालांकि अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं। बहुत सी सकारात्मक बातें जिनका मैंने इसका बहुत आनंद लिया। सिडनी सिक्सर्स के प्रशंसकों को में धन्यवाद देता हूं। मैंने सिडनी क्रिकेट मैदान में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बाबर का प्रदर्शन लीग में कुछ खास नहीं रहा। वह 11 मैचों में केवल 202 रन ही बना पाये। उनका स्ट्राइक रेट केवल 103.06 का रहा।

जसप्रीत बुमराह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे, स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धियों पर डालें नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, 'उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता।' उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं।

बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

नए साल की शुरुआत में बॉलीवुड सेलेब्स साल 2016 की अपनी खट्टी-मीठी यादों को फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में मिस वर्ल्ड रह चुकीं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने भी अपने अतीत के पन्ने खोले हैं और अपने संघर्ष भरे लेकिन प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी मॉडलिंग फोटोज और एमबीबीएस की छात्रा के दौर की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2016 उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार समय था। मानुषी ने लिखा कि उस एक साल में वह बिल्कुल मशहूर टीवी सीरीज 'हैना मोंटाना' की तरह दोहरी जिंदगी जी रही थीं। एक तरफ वह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं, तो दूसरी तरफ मिस इंडिया चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट और मॉडलिंग असाइनमेंट्स को संभाल रही थीं। मानुषी ने बताया कि शनिवार को क्लास खत्म होने के बाद उन्होंने एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। इसके बाद उन्हें पहला कैंपेन मिला और फिर एक के बाद एक कई ऑफर्स आते चले गए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें धीरे-धीरे एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री शायद उनके जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब कुछ जरूर है। उन्होंने अपनी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग का जिक्र करते हुए लिखा कि जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन वह खुद नहीं थीं, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। मानुषी ने यह भी साझा किया कि मिस इंडिया के लिए उन्होंने 'सिर्फ एक बार' इंस्टाग्राम जॉइन किया था, लेकिन आज एक दशक बाद वह सोशल मीडिया की दुनिया में मजबूती से मौजूद हैं। उनके कैप्शन से साफ झलकता है कि पढ़ाई और मॉडलिंग के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को पूरे जुनून और मेहनत के साथ स्वीकार किया। एमबीबीएस जैसी कठिन पढ़ाई के साथ-साथ मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने की तैयारी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और उसी साल मिस वर्ल्ड का ताज भी अपने नाम किया। वह मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली छठी भारतीय महिला

हिना खान का देसी अंदाज में ग्लैमर

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री हिना खान एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। हिना खान हर बार अपने स्टाइल से फैंस को हैरान कर देती हैं और इस बार उन्होंने देसी लुक में मॉडर्न ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में सामने आई उनकी नई तस्वीरों में वह मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई ब्राउन साड़ी में नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। हिना खान की इस ब्राउन साड़ी पर बारीकी से किया गया शिमरी सीक्विन वर्क उनके लुक को बेहद एलिगेंट और रॉयल बना रहा है। साड़ी का सॉफ्ट और वार्म ब्राउन शेड उनकी स्किन टोन पर बेहद खूबसूरत लग रहा है, जिससे उनका पूरा अंदाज और भी निखर कर सामने आया है। इस देसी आउटफिट के साथ हिना ने न्यूड मेकअप, ग्लोसी लिप्स और हल्के मैसी हेयरस्टाइल को चुना है, जो उनके लुक को परफेक्ट बैलेंस देता नजर आता है।

साल 2026 का स्वागत बेहद भावुक अंदाज में भूमि पेडनेकर ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने करियर की शुरुआत से जुड़े कई यादगार पलों को ताजा किया। इसके साथ ही उन्होंने नए साल 2026 का स्वागत भी बेहद भावुक और निजी अंदाज में किया। सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड '2026 इज द न्यू 2016' को फॉलो करते हुए भूमि ने अपने जीवन के करीब दस साल पुराने लम्हों की झलक फैंस के साथ साझा की। इन तस्वीरों और यादों के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि आज जिस मुकाम पर वह खड़ी हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे कितनी मेहनत, धैर्य और सीख छिपी हुई है। भूमि ने उन दिनों को याद किया जब सपने नए थे, आत्मविश्वास आकार ले रहा था और सफर की असली शुरुआत हो रही थी। भूमि पेडनेकर ने सबसे पहले अपनी फिल्म 'टॉयलेट-एक प्रेम कथा' से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने इस फिल्म के सेट पर अपने पहले दिन की तस्वीरें पोस्ट कीं। साल 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार नजर आए थे। भूमि ने बताया कि उस वक्त वह एक नई अभिनेत्री थीं, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे और खुद पर भरोसा अटूट था। इसके अलावा भूमि ने अपने पहले प्रोफेशनल फोटोशूट, पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह में शामिल होने और अपने पहले मैगजीन कवर की झलक भी दिखाई। उन्होंने उस दौर को भी याद किया जब उन्होंने फिटनेस को लेकर गंभीरता दिखाई और पाइलेट्स के जरिए अपने शरीर में बड़ा बदलाव लाया। भूमि ने बताया कि यह बदलाव सिर्फ शारीरिक नहीं था, बल्कि मानसिक रूप से भी उनके लिए बेहद जरूरी और सशक्त करने वाला साबित हुआ। अपने पोस्ट में भूमि पेडनेकर ने उन लोगों का भी जिक्र किया, जिन्होंने उनके शुरुआती दिनों में उनका साथ दिया। उन्होंने अपने परिवार, करीबी दोस्तों और मेंटर्स के प्रति आभार जताया और उन्हें अपनी 'गॉड मदर्स' कहा। इसके साथ ही भूमि ने वह खास पल भी याद किया, जब वह स्पेन गई थीं और वहां उन्हें अपना पहला आईफा अवॉर्ड मिला था, जिसे उन्होंने अपने जीवन का एक सपने जैसा पल बताया। करियर की यादों के साथ भूमि ने नए साल 2026 के जश्न की झलक भी साझा की। उन्होंने यह साल अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्यार, उम्मीद और स्वादिष्ट खाने के बीच शुरू किया। कैप्शन में भूमि ने लिखा कि उन्होंने नया साल उन लोगों के साथ मनाया, जिन्हें वह दिल से प्यार करती हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने दमदार अभिनय और लगातार मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। छोटे शहरों की कहानियों से लेकर सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों तक, भूमि ने हर किरदार को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाया है।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी और कई राज्यों में इसे टैक्स फ्री भी किया गया था। फिल्म में विक्रांत ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन को पर्दे पर जीवंत किया था। अब पर्दे के बाहर भी विक्रांत मैसी शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं और इसे ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बातचीत बेहद सार्थक रही और भारतीय भाषाओं के प्रति मंत्री का लगाव उन्हें खास तौर पर प्रभावित कर गया। विक्रांत के अनुसार, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और कक्षाओं को ज्यादा संवादात्मक बनाने पर हुई चर्चा बेहद प्रेरणादायक रही। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से बचपन से ही रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने को लेकर अच्छी चर्चा हुई। इन पोस्ट्स से यह साफ होता है कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि स्कूली शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में विचारों का आदान-प्रदान था। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफल सफर तय कर चुके विक्रांत मैसी हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा रहे हैं, जो समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। 'छपाक', 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द साबरमती रिपोर्ट' और '12वीं फेल' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय खूब सराहा गया है।

'मर्दानी 3' के ट्रेलर को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। एक बार फिर रानी अपने लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आ रही हैं, जो एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी हैं। इस बार कहानी 93 लापता लड़कियों को बचाने की जंग पर केंद्रित है, जिसमें शिवानी समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए अपनी जान तक जोखिम में डाल देती हैं। यश राज फिल्म्स की इस फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे अपार प्यार पर प्रतिक्रिया देते हुए रानी मुखर्जी ने इसे अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे वह कैमरा कट होते ही भूल जाएं। रानी के मुताबिक, इस किरदार के जरिए उन्होंने सेवा, साहस और जिम्मेदारी का असली अर्थ समझा है। उन्होंने यह भी कहा कि साहस अक्सर अकेला होता है और यही बात इस किरदार को और भी खास बनाती है।

रानी ने भारतीय पुलिस बल के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए कहा कि देश की पुलिस फोर्स बिना किसी शिकायत और बिना किसी तमगे की उम्मीद के, चुपचाप देश की सेवा करती है। रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित करते हुए खास तौर पर महिला अधिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को अक्सर ज्यादा सवालों और संदेह का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद वे मजबूती और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निभाती हैं। रानी ने कहा कि 'मर्दानी 3' का अस्तित्व इन्हीं जांबाज महिला अधिकारियों की वजह से है, जो ताकत और करुणा के साथ नेतृत्व करती हैं।

रानी का मानना है कि ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि समाज आज भी अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जब कुछ गलत होता है तो लोगों को गुस्सा आता है और जब कोई असहायों की रक्षा के लिए खड़ा होता है तो गर्व महसूस होता है। यही भावना 'मर्दानी 3' की आत्मा है। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मर्दानी 3' सामाजिक मुद्दों पर आधारित अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां पहली फिल्म ने मानव तस्करी और दूसरी ने एक सीरियल रेपिस्ट की मानसिकता को उजागर किया था, वहीं तीसरी किस्त समाज की एक और कड़वी सच्चाई से पर्दा उठाती है।

संजय कपूर की विरासत पर बढ़ा विवाद

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और जाने-माने उद्योगपति संजय कपूर के निधन के बाद उनकी संपत्ति और विरासत को लेकर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में अब संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने एक नई याचिका दाखिल कर मामला और जटिल कर दिया है। प्रिया सचदेव ने अदालत से करिश्मा कपूर और संजय कपूर के बीच हुए तलाक से जुड़े सभी कानूनी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह याचिका संजय कपूर की संपत्ति, वसीयत और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दायर की गई है। प्रिया का कहना है कि इन दस्तावेजों के बिना विरासत से जुड़े तथ्यों की सही जांच संभव नहीं है। इस मामले की सुनवाई 16 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। संजय कपूर और करिश्मा कपूर का तलाक काफी समय पहले हो चुका था, लेकिन उनके रिश्ते और समझौते हमेशा चर्चा में रहे। अब संजय के निधन के बाद यह मामला फिर से सुर्खियों में आ गया है। कानूनी जानकारों का मानना है कि इस याचिका से संपत्ति विवाद में नया मोड़ आ सकता है। इस पूरे विवाद पर करिश्मा कपूर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, प्रिया सचदेव की इस पहल से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में यह मामला और लंबा खिंच सकता है।

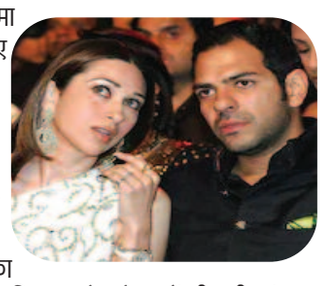

अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही 'बॉर्डर'

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म बार्डर की सिक्वल 'बॉर्डर 2' की रिलीज नजदीक आ चुकी है, तो साल 1997 में आई इस क्लासिक फिल्म को दोबारा देखना दर्शकों के लिए देशभक्ति के उस जज्बे को फिर से महसूस करने का बेहतरीन मौका बन गया है। खास बात यह है कि 'बॉर्डर' इस समय अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है, जिससे नई पीढ़ी भी इस ऐतिहासिक कहानी से जुड़ सकती है। निर्देशक जे. पी. दत्ता द्वारा बनाई गई 'बॉर्डर' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित थी। फिल्म में खास तौर पर राजस्थान के लोंगेवाला पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक युद्ध को केंद्र में रखा गया था। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय सैनिकों की रणनीति, साहस और देश के लिए दी गई कुर्बानी को फिल्म ने बेहद भावनात्मक और प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। यही वजह रही कि यह फिल्म दर्शकों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन गई। फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का दमदार किरदार निभाया था, जो अपने जवानों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे। उनके जोशीले संवाद और गुस्से से भरा अभिनय आज भी लोगों की यादों में ताजा है।

सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना ने भी सैनिकों की भूमिकाओं में शानदार अभिनय किया। खासतौर पर अक्षय खन्ना का संवेदनशील और युवा सैनिक का किरदार दर्शकों के दिल को छू गया था। 'बॉर्डर' का संगीत भी इसकी बड़ी ताकत रहा। 'संदेशे आते हैं' और 'मेरे दुश्मन मेरे भाई' जैसे गीत आज भी देशभक्ति गीतों में खास स्थान रखते हैं। इन गानों ने सैनिकों और उनके परिवारों के दर्द, इंतजार और भावनाओं को बखूबी बयां किया, जिसके चलते फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों की भी जमकर सराहना मिली। करीब 28 साल बाद अब 'बॉर्डर 2' उसी देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे. पी. दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है।

सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। यह फिल्म भी 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इस बार कहानी का दायरा और व्यापक होगा, जिसमें थलसेना के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कार्रवाई को दिखाया जाएगा। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि जब भी हिंदी सिनेमा में देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों की चर्चा होती है, तो 90 के दशक की कुछ यादगार फिल्मों का जिक्र अपने आप होने लगता है। इन्हीं में एक सबसे अहम नाम सनी देओल की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का है, जिसने न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, बल्कि दर्शकों के दिलों में देशप्रेम और बलिदान की गहरी छाप भी छोड़ी थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।